दैनिक जागरण
सबरंग
साहित्य के...
नई दिल्ली, गुरुवार, 21 नवंबर, 2019
सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें : sabrang@nda.jagran.com
https://www.facebook.com/jagransabrang/

यमुना में तैरकर जाते थे तरबूज खाने

दिल्ली मेरी यादें

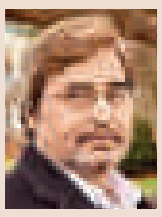

डॉ हरीश नवल युवा ज्ञानपीठ पुरस्कार, गोविन्द वल्लभ पंत पुरस्कार (भारत सरकार), साहित्य कला परिषद्, साहित्यमणि जैसे पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। बागपत के खरबूजे, पीली छत पर काला निशान, दिल्ली चढ़ी पहाड़ जैसे इनके व्यंग्य खासे प्रचलित रहे हैं।

गली प्याऊ वाली, 1712 दरीबां कला, चांदनी चौक, दिल्ली-06, यह था मेरे पहले घर का पता। आजादी से कुछ महीने पहले मेरा जन्म हुआ था और यहीं से दिल्ली को देखना...खेलना...जीना शुरू किया था। नन्हे पांव चलना सीखते, बाबा के साथ साइकिल पर स्कूल जाते-जाते न जाने कब फिर भाई के साथ पैदल ही दरियागंज स्थित जैन हायर सेकेंड्री स्कूल जाने लगे। हम दोनों परेड ग्राउंड से पैदल स्कूल आते-जाते थे उन दिनों वहां मजमा लगता था। वहीं पास में मजार भी थी जहां हर रोज कव्वाली हुआ करती थी। कई बार स्कूल से लौटते हुए हम सुनने के लिए वहीं रुक जाया करते थे।

दिल्ली ने मेरे बचपन को एक खूबसूरत आदत दी पुस्तकालय की। मैं जब चौथी कक्षा में था तभी से बड़े भाई के साथ हरीशचंद पुस्कालय जाने लगा। जिस दिन स्कूल का अवकाश होता सुबह 8 बजे पुस्तकालय पहुंच जाते थे। तब से पुस्तकालय जाने की जो लत लगी, वो पीएचडी की पढ़ाई तक निरंतर रही। दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी, मारवाड़ी पुस्तकालय, हार्डिंग पुस्तकालय नाम बदलते रहे लेकिन सिलसिला नहीं टूटा। एक तरफ पुस्तकालयों में पढ़ने से साहित्यिक ज्ञानवर्धन हो रहा था, वहीं घर में रात को जब नीले आसमान के नीचे छत पर सोया करते थे तो दादा-दादी हर रोज कभी हाथी, कभी भ्रष्टाचार जैसे विषय देते और उस पर कहानी सुना करते थे। इससे मैं भी बचपन में ही कहानी बनाना सीख गया। उन दिनों जैनेंद्र कुमार भी हमारे स्कूल के पास ही रहा करते थे तो एक दिन बतौर अतिथि उन्हें स्कूल में बुलाया गया तब मैं ग्याहरवीं कक्षा में था। मैंने उन्हें अपनी एक कविता सुनाई जिसे सुनकर उन्होंने कहा कि व्यंग्य अच्छा लिख सकते हो, अब मुझे क्या पता व्यंग्य क्या होता है। हिंदी के शिक्षक से पूछा तो उन्होंने यह कहकर टाल दिया कि जब बड़े हो जाओगे तो खुद समझ जाओगे। यही हुआ एक वक्त आया और व्यंग्यात्मक लेखन के लिए सम्मान मिला और आगे उसे निरंतर बनाए रखने की चुनौती भी मिली जो आज तक कायम है।

बहरहाल एक और रोचक किस्सा सुनाता हूं मैं हिंदू कॉलेज का छात्र रहा हूं वहां मेरे दो और दोस्त राकेश जैन और सुरेश रतुपर्ण थे। उन दिनों हम कविता, कहानी, वाद-विवाद प्रतियोगिता में खूब हिस्सा लिया करते थे। एक दिन मनोहर श्याम जोशी जी से भेंट हुई उन्होंने हमे साप्ताहिक हिंदुस्तान के लिए कुछ लिखने को कहा, साथ ही यह भी कहा कि तीनों मिलकर लिखो, एक कॉलम बना लो। हमने जैनेंद्र जी से इस बारे में चर्चा की तो उन्होंने 'मित्र-त्रयी' नाम रखने की सलाह दी। और फिर साप्ताहिक हिंदुस्तान में इसी कॉलम में खूब लिखा।

बड़े-बड़े साहित्यकारों के बीच यह कॉलम चर्चित हो गया, लेकिन इस तिगड़ी का नाम सब नहीं जान सके। एक दिन तीनों के नाम का भेद जानने के लिए हरिवंश राय बच्चन जी की चिट्ठी भी आई। इसी दौर में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रज्ञा और प्रगति समूह भी विचारधारा के आधार पर बन गए थे। वहीं विचारधारा से अलग एक ग्रुप-70 भी बना था जिसमें उस दौर के उभरते हुए 70 साहित्यकार थे।

एक रोचक बात याद आ रही हैं। मैंने मोहन राकेश पर एमलिट की थी। हिंदू कॉलेज में मुझे शिक्षक की नौकरी मिल गई। एक दिन मोहन राकेश जी का फोन आया कि घर आजा नौकरी लगने की पार्टी मैं देता हूं और रास्ते से पहाड़गंज के पास चूंकि बहुत मशहूर छोले भटूरे मिलते थे वो लाने को भी कहा। मैं पार्टी का नाम सुन दस-बारह प्लेट छोले-भटूरे और खूब सारी मिठाई पैक कराकर पहुंचा। वहां जाकर देखा तो पार्टी करने वाले मैं, राजेंद्र यादव, राकेश खुद और एक सज्जन थे। बाद में हम खूब हंसे। दिल्ली में रामलीला आयोजन भी अद्भुत हुआ करते थे। रामलीला की झांकी हमारे घर की गलियों से निकला करती थी। घरों का छज्जा भर जाया करता था, झांकी देखने के लिए। चाय, लस्सी और चाट पकौड़ी के अलग स्टॉल लगा करते थे। अब भी रामलीला होती है लेकिन अब ऐसा माहौल कहां।

हमने बचपन में यमुना में खूब तैराकी भी की है। यमुना में जहां बीच-बीच में सूखा हिस्सा होता था वहां तरबूज की खेती होती थी। एक दिन मैं और दोस्त तैरकर तरबूज खाने पहुंच गए तरबूज खा तो लिया, लेकिन जब जेब में हाथ डाला तो पता चला पैसे तो यमुना जी में तैर गए। अब हम क्या करते तरबूज वाले को मनाने की कोशिश की लेकिन नहीं माना। अंतत उसने हमसे तीन घंटे अपने तरबूजों की देखरेख कराई, तब छोड़ा। दिल्ली की ऐसी दिलचस्प यादें कभी न खत्म होंगी।

-मनु त्यागी से बातचीत पर आधारित

बातचीत

मिलते रहे सम्मान

प्रकाशबीर शास्वी पुरस्कार, हिंदी अकादमी द्वारा साहित्यकार सम्मान, अक्षरम् सम्मान, परंपरा पुरस्कार, दिल्ली प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन समान, हिंदू कॉलेज द्वारा अति विशिष्ट छात्र-सम्मान।

खूब लिखा...

26 समकालीन कवियों पर वृतचित्र लिखे हैं। इसके अलावा दूरदर्शन के लिए कई धारावाहिक लिखे। नारी एक रूप अनेक, ये भी खूब रही आदि लिखे। राग विराग (चित्रलेखा पर आधारित हिंदी का प्रथम ओपेरा) जिसका निर्देशन शन्नो व उसमें किरदारों की भूमिका ईला अरुण, रमा पांडेय व अरुण बाली ने निभाई। इसके अलावा मेरा रूप तुम्हारा दर्पण व जो नितांत मेरी है (गीत संग्रह), सूरज का रथ, राही को समझाए कौन, हम सब आगे निकलेंगे, गाल बने गुब्बारे आदि रचनाएं हैं।

शहर को 'बाल स्वरूप' से देखने वाला 'राही' हूं

भाषायी सादगी, संवेदनात्मक संपन्नता एवं व्यक्ति से लेकर समष्टि तक व्याप्त सुकोमल आवेगों और तीखें तेवरों सी है...बाल स्वरूप राही की पहचान। परिवार व पड़ोस को देखकर कविता व शायरी लिखने को प्रोत्साहित हुए तो दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज की अंग्रेजी दुनिया में हिंदी को बुलंद किया। दिल्ली में जन्में...पले...पढ़े और बढ़े राही इस शहर और साहित्यिक दुनिया के धरोहर नुमा हैं। बाल स्वरूप राही से रितु राणा ने विस्तार से बातचीत की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश :

● 'बाल स्वरूप' नजरों से कैसी लगी थी दिल्ली? बहुत सारी यादें होंगी?

दिल्ली के तिमारपुर गांव में 16 जनवरी 1936 में मेरा जन्म हुआ था। मेरे घर का पूरा माहौल साहित्यिक था। मैं सात भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। घर पर सभी मिलकर अंताक्षरी खेला करते थे। वहीं तिमारपुर में भी एक अच्छा साहित्यिक वातावरण था, चिरंजीत, प्रयाग नारयण तिवारी, मन्मनाथ गुप्त जैसे कई साहित्यकार मेरे पड़ोस में रहते थे उनकी कविताएं सुनकर मैं बड़ हुआ हूं। बचपन से ही घर व पड़ोस से एक अच्छा साहित्यिक वातावरण बन गया था इसलिए कविता व शायरी में मेरी रुचि बढ़ती ही चली गई। बचपन लेखन संस्कार के साथ बड़ा हुआ। सातवीं कक्षा तक तिमारपुर के सरकारी स्कूल में मैंने उर्दू से ही पढ़ाई की थी आजादी के बाद हमारा परिवार दिल्ली छावनी आ गया और वहीं के एक सरकारी स्कूल से मैंने हिंदी पढ़नी शुरू की।

● आपके बचपन के दिनों ने तो वो आजादी की लड़ाई...विभाजन का दौर भी देखा होगा?

मेरे जन्म के 10 वर्ष बाद देश आजाद हुआ। आजादी की लड़ाई के दौर में तो मैं बहुत छोटा था लेकिन आजादी के बाद का मुझे सब याद है। उस समय पिताजी का तबादला हो गया था तब मेरा परिवार तिमारपुर छोड़कर दिल्ली छावनी में रहने लगा। कायस्थ परिवार में जन्म लेने के कारण घर में उर्दू व फारसी ही सब बोलते थे। 1947 में जब देश आजाद हुआ तो मैंने सोचा कि मैंने देश के लिए क्या किया तो मैंने उर्दू फारसी छोड़कर हिंदी पढ़नी शुरू कर दी। सातवीं कक्षा में मैं कक्षा में तख्ती लेकर जाता था और हिंदी के अध्यापक मुझे क ख ग.. पढ़ाते थे। मेरे पिता उसी स्कूल में प्रधानाचार्य थे इसलिए मुझे हिंदी सिखाने में शिक्षकों ने भी काफी सहायता की। आजादी के बाद पूरी दिल्ली की दीवारें राजनीतिक पोस्टरों से अटी हुई थीं। सभी लोग सड़कों पर भारत माता की जय के नारे लगाते थे उनके साथ मैं और मेरे दोस्त भी शामिल हो जाते थे।

● आपने लिखना तो बहुत जल्दी शुरू कर दिया था, लेकिन दिल्ली आपके लिए कब विषय बनीं, यहां की कौन सी चीजें लेखन में आ गईं?

पैदा होने से आज तक हर पड़ाव इसी शहर में ही बीता है। दिल्ली मेरे दिल में रच बस गई है ऐसे में दिल्ली का मेरी कविताओं में रचनाओं में होना स्वाभाविक था। मैंने दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों लाल किला, कुतुबमीनार आदि कई स्थानों को अपनी कविता में शामिल किया। इसके अलावा भीड़भाड़ वाली दिल्ली, इस शहर में आदमी खो गया है, दुकानें, ऊंची-ऊंची इमारतों वाली, पड़ोसी-पड़ोसी को नहीं पहचानता ये सभी मेरी रचनाओं में आते चले गए। यह सब कविताएं शहर के बदलते स्वरूप को भी दर्शाती हैं। कुछ और कविताएं हैं मसलन 'ढूंढ रहे हो गली-गली में जाकर क्या सच्चाई को, सच तो सिर्फ वही होता है जो दिल्ली दरबार कहे'।

● साहित्यिक माहौल मिला, बड़े लेखकों के बीच रहे, लेकिन फिर भी किसी ने तो प्रेरित किया होगा लिखने के लिए? एक शुरुआत करने के लिए?

हम सारे भाई मिलकर उर्दू में अंताक्षरी खेला करते थे, जिसे जिसे बैतबाजी कहते हैं। बड़े भाई उर्दू शायरी के बड़े शौकीन थे मैं उन्हें बैठकर सुना करता था। चिरंजीत, प्रयाग नारायण तिवारी, मन्मथनाथ गुप्त जैसे पड़ोसियों के रहते मेरी रुचि कविता में भी बढ़ने लगी। मैं प्रेरित होने लगा। जिसका परिणाम था कि मैंने 14 वर्ष की उम्र से ही पत्र-पत्रिकाओं में लेख भेजने शुरू कर दिए थे लेकिन वह प्रकाशित नहीं हुए। उन दिनों दिल्ली में सरिता पत्रिका काफी प्रचलित थी जो झंडेवालान से छपती थी उसमें भी मैं लेख भेजता था लेकिन कभी मेरा लेख नहीं छपता था। एक दिन मैंने अपनी कविता जिसका शीर्षक था 'मानव' जिसकी पंक्तियां थी 'बनाने आए हैवां को इंसा, मैं इंसा को इंसा बनाने चला हूं, नई एक दुनिया बसाने चला हूं' इसके साथ मैंने संपादक को यह लिखकर भेजा कि 'मैं कविताएं भेजता रहूंगा आप लौटाते रहिए देखते हैं जीत किसकी होती है'। बस यही मेरा पहली कविता सरिता में प्रकाशित हो गई। यह कविता इतनी प्रचलित हुई कि तिमारपुर के एक स्कूल में समारोह था जहां मेरे बड़े भाई अध्यापक थे। वहां के शिक्षकों ने भाई को जोर दिया कि अपने छोटे भाई बाल स्वरूप को कविता पढ़ने बुलाओ। मैंने वहां भी यही कविता पढ़ी जिस पर खूब तालियां बजी। सरिता पत्रिका हर साल जनमत कराती थी जिसमें पाठकों से उनके पसंदीदा लेखों के बारे में पूछा जाता था और लोगों ने उस वर्ष उनकी कविताओं को सर्वोत्तम स्थान दिया। इसके बाद जब मैं 20-21 वर्ष का था तब मेरी पहली पुस्तक मेरा रूप तुम्हारा दर्पण प्रकाशित हुई जिसकी भूमिका हरिवंश राय बच्चन ने लिखी। लोग मेरी कविताएं खूब पंसद करने लगे इसके बाद मैंने शायरी व गीत लिखना भी शुरू कर दिया। मैंने दूरदर्शन के कई धारावाहिक के आलेख व गीत लिखे।

● इस शहर को विकास और साहित्यिक दृष्टि से किस तरह बदलते देखा?

इस शहर की विकास यात्रा मेरे जीवन के बाल...युवा...प्रौढ़ होने जैसी ही है। इसके शहर के आजादी के बाद के बचपन को बेहद नजदीकी से देखा है। आजादी से अब तक इस शहर ने अपने दिल्ली होने को...विकास के दौर में भी कायम रखा है। कह सकते हैं दिल्ली के महत्व को हर दौर में बरकरार रखने की कोशिश तो की है, लेकिन विकास के सकारात्मक परिणामों के साथ दिल्ली को नकारात्मक परिणामों से भी गुजरना पड़ा है। बड़ी-बड़ी इमारतें बन गई स्कूल व कॉलेज बन गए व पूरी दिल्ली में मेट्रो लाइने बिछ गई है यहां तक की मेट्रो ने दिल्ली-एनसीआर को भी आपस में जोड़ दिया है। इसके साथ ही दिल्ली में पहले के मुकाबले भीड़ बहुत बढ़ गई है। हर कोई इस मेट्रो सिटी में आकर बसना चाहता है यहां पढ़ाई और नौकरी के अवसरों की तलाश में अलग-अलग राज्यों से लोग आकर बस रहे हैं। दिल्ली को प्रदूषण ने जकड़ लिया है जबकि हमने पहले कभी यह नहीं सुना था कि पटाखे जलाने या हरियाणा में पराली जलाने से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों से यह स्थिति भयावह हो गई है। वहीं, साहित्यिक बदलाव की बात करें तो पहले कई साहित्यिक गोष्ठियां हुआ करती थीं अब कम होने लगी हैं। जो साहित्यिक सम्मेलन होते भी हैं तो उनमें पहले जैसी रौनक नहीं रही। पहले यहां जैनेंद्र कुमार, विष्णु प्रभाकर, मोहन राकेश, राजेंद्र यादव, रामनाथ अवस्थी, कन्हैया लाल नंदन, राम अवतार त्यागी जैसे कई अखिल भारतीय ख्याति के साहित्यकार रहे, साहित्यकार अब भी हैं लेकिन उनमें पहले जैसा जलवा नहीं है।

● हिंदी से कैसा जुड़ाव रहा?

12 वर्ष की आयु से हिंदी के प्रति ऐसा जुड़ाव हो गया कि फिर लिखता ही चला गया। स्कूल, कॉलेज की पढ़ाई भी हिंदी से की। दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाने का मन था लेकिन कॉलेज में 2-4 फीसद अंक कम लाने पर मुझे प्राध्यापक के रूप में पढ़ाने का मौका नहीं मिला लेकिन मेरे लेखन से प्रभावित होकर डॉ. नगेंद्र ने मुझे 200 रुपये की छात्रवृति देने की बात कही और उस समय प्राध्यापक को 250 रुपये वेतन मिलता था लेकिन मैं बहुत स्वाभिमानी था मैंने कहा 2 हजार रुपये भी दोगे तो भी मैं छात्रवृत्ति नहीं लूंगा मुझे हिंदी का अध्यापन करना है। इसके बाद हिंदी लगाव के चलते पत्रकारिता में ललक जागी तो साप्ताहिक हिंदूस्तान में भी काम किया, लेकिन अपने स्वाभिमानी व्यक्तित्व के चलते वहां से भी नौकरी छोड़ दी और स्वतंत्र लेखन करने लगा। मैंने कभी अपनी इच्छा व लेखन के साथ कोई समझौता नहीं किया।

● दिल्ली विश्वविद्यालय से कैसे जुड़े, वहां के कुछ अनुभव व साहित्यिक वातावरण के बारे में बताएं?

मैंने स्नातक की पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से की है। उस समय वहां रोजाना सुबह प्रार्थना सभा होती थी, मैं पहला ऐसा छात्र था जिसने वहां हिंदी में कविता पाठ किया इससे प्रधानाचार्य काफी प्रभावित हुए और कह सकते हैं कि तभी से पूरे कॉलेज में हिंदी का प्रचलन हो गया। इसके बाद मैंने हिंदू कॉलेज से एमए की पढ़ाई की। डीयू का साहित्यिक वातावरण काफी अच्छा था। उन दिनों आयोजित होने वाली कविता प्रतियोगिताओं में भी भाग लेता था। वहीं पर मेरा परिचय डीयू के तत्कालीन विभागाध्यक्ष व हिंदी के प्रमुख आलोचक डॉ. नगेंद्र, हिंदी आलोचक डॉ.विजयेंद्र स्नातक, हिंदी के वरिष्ठ समीक्षक डॉ.तारक नाथ बाली व कवि डॉ.ओमप्रकाश से हुआ। डीयू में डॉ.नगेंद्र का साहित्यिक सहायक भी रहा और उसी विभाग में ट्यूटर के पद पर रहकर अध्यापन का काम किया। केवल एक वर्ष मैंने डीयू में बिताया लेकिन वहां के वातावरण से दिल से जुड़ गया।

● आपके समय में सहित्यिक गोष्ठी के अड्डे कहां-कहां हुआ करते थे?

उस समय साहित्यिक गोष्ठी हिंदी भवन, कनॉट प्लेस स्थित कॉफी हाउस व टी हाउस में होती थीं। मैं अधिकतर टी हाउस में जाया करता था। साहित्य सम्मेलन में जाकर एक सकारात्मक ऊर्जा मिलती थी। वहां पर विष्णु प्रभाकर, राम अवतार त्यागी, मोहन राकेश, राजेंद्र यादव जैसे बड़े साहित्यकार आते थे।

● समकालीन साहित्यकार मित्र, उनसे जुड़ी कुछ रोचक यादें?

समकालीन साहित्यकार मुझसे वरिष्ठ चिरंजीत मेरे एक मित्र व साथी के समान थे। एक बार वह मुझे जालंधर में आयोजित कवि सम्मेलन में लेकर गए मैं पहली बार दिल्ली से बाहर किसी बड़े कवि सम्मेलन में गया था। संयोगवश वहां काफी भीड़ थी जिस कारण लोग कवियों को ध्यान से नहीं सुन रहे थे। उस कार्यक्रम की अध्यक्षता रामधारी सिंह दिनकर कर रहे थे चिरंजीत ने दिनकर जी से कहा कि एक कविता इस बालक को भी पढ़ने का मौका दीजिए तो उन्होंने जवाब दिया कि यहां बड़े-बड़े कवियों को तो कोई सुन नहीं रहा तो इसे कौन सुनेगा, उन्होंने जिद करके मुझे चार-पांच पंक्तियां पढ़वाने का मौका दिलवाया। मैंने एक मुक्तक पढ़ा 'ये तो नहीं कि मुझको कोई और काम था, ये भी नहीं कि मेरा इरादा बदल गया', 'इतना तेरे खयाल में खोया हुआ था मैं, कि तेरे ही घर के सामने से होकर निकल गया मैं'। इसके बाद सभी लोगों ने सिर्फ मेरी ही कविता सुनने की मांग की और मुझे इस कविता के लिए 80रुपये भी मिले और चिरंजीत का मुझे कविता पढ़वाने का मकसद ही ये था कि मैं इतनी दूर से आया तो मुझे कविता पढ़ने के मौके के साथ उसके लिए कुछ पुरस्कार भी मिले।

● क्या जेएनयू में भी आपका जाना होता था? आज जो वहां हो रहा है...तब उन दिनों कैसा माहौल होता था?

हां, जेएनयू में भी मैं जाता था लेकिन बहुत कम, वहां की साहित्यिक गोष्ठियों में मैं जाता था। वहां बस गोष्ठियों में भाग लेने जाता था मेरे कोई खास मित्र वहां नहीं थे तो काफी कम जाना होता था। लेकिन वहां का माहौल हमेशा ही बहुत प्रभावी और पाठकों के लिए अनुकूल रहा है।

● आज के युवा लेखक कैसा लेखन कर रहे हैं? उन्हें क्या दिशा देना चाहेंगे?

आमतौर पर कहा जाता है कि आज के युवा लेखकों में वो बात नहीं है जो पहले के लेखकों में होती थी। मैं इससे सहमत नही हूं कविता लेखन में आज भी लेखकों का वही दबदबा है। इसका एक उदाहरण 11 जनवरी 2020 में दिल्ली के छतरपुर में कवि सम्मेलन है जहां 350 कवि शामिल होंगे और यह दो दिवसीय कवि सम्मेलन दिन व रात लगातार चलेगा। ऐसे में हम कैसे मान लें कविता या लेखन का दौर समाप्त हो गया है। मैं युवा लेखकों को खूब पढ़ता हूं। इसमें कोई संकोच नहीं की युवा लेखनी ताजगी भरी और सशक्त है। साहित्य कविता की दृष्टि से तो आज भी पहले की भांति समृद्ध है लेकिन हां, बस अब कोई साहित्यिक आंदोलन नहीं है। जैसी मांग है वैसा ही लेखन हो रहा है। वहीं, अब जो लड़कियां व महिलाएं साहित्य लेखन में आगे बढ़ रही हैं वह समाज के लिए प्रेरणा दायक हैं। मैं कुछ पंक्तियों के माध्यम से युवाओं को संदेश देना चाहूंगा कि 'मजा कहने का तब है एक कहे और दूसरा समझे'। अर्थात युवाओं को ऐसा लेखन करना चाहिए जो लोगों के दिल और दिमाग पर घर कर जाए।

साहित्यिक गतिविधियों का सूना कोना

साहित्यिक धरोहर

दिल्ली में 1964 के आसपास रशियन सेंटर ऑफ साइंस एंड कल्चर, जिसको साहित्यकार बोलचाल में रशियन कल्चर सेंटर कहा करते थे, एक बड़े साहित्यिक और सांस्कृतिक केंद्र के तौर पर उभरा था। ये जगह सेंट्रल दिल्ली के फिरोजशाह रोड पर था, अब भी है। रूस अपने साहित्य और संस्कृति को भारत में बढ़ावा देने के लिए अपने साहित्यकारों की जयंति या उनकी पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित करता था जिसमें दिल्ली के साहित्यकरों की उपस्थिति हुआ करती थी। ये वो दौर था जब साहित्य में सोवियत रूस समर्थित सिस्टम पुष्पित पल्लवित हो रहा था। यहां नियमित रूप से रूसी भाषा की फिल्मों का प्रदर्शन, नाटकों का मंचन और रचना पाठ और नई कृतियों पर चर्चा हुआ करती थी। उस समय यहां इंडो-रशियन लिट्रेचर सोसाइटी की गतिविधियां हुआ करती थीं जिसमें बड़ी संख्या में साहित्य और कला प्रेमी जुटते थे। उस वक्त इस सोसाइटी के कार्यक्रमों में भीष्म साहनी, कमर रईस, गंगा प्रसाद विमल, गोपीचंद नारंग के अलावा उर्दू के कई लेखकों की नियमित भागीदारी हुआ करती थी। कभी कभार राजेन्द्र यादव भी आया करते थे। गंगा प्रसाद विमल उस दौर को याद करते हुए बताते हैं कि तब सोवियत रूस समर्थित सिस्टम का बोलबाला जरूर था लेकिन तब गैर कम्युनिस्ट लेखकों को भी यहां आमंत्रित किया जाता था। हिंदी के नए लेखक यहां इस उम्मीद से पहुंचते थे कि बड़े लेखकों और वैश्विक साहित्यिक लेखन से उनका परिचय होगा। होता भी था। गर्मागर्म बहसें हुआ करती थीं। आलम ये था कि रशियन कल्चर सेंटर उस दौर में दिल्ली के एक बड़े साहित्यिक केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका था और वहां हिंदी और उर्दू के तमाम लेखक आपस में मिलने जुलने भी पहुंचते थे। दिल्ली के बाहर से भी अगर हिंदी का कोई लेखक आता था तो वो एक शाम रशियन कल्चर सेंटर जरूर पहुंचता था। ये दौर करीब चार साल तक चला।

1968 में जब सोवियत रूस की अगुवाई में कम्युनिस्ट चेकोस्लोवाकिया पर हमला हुआ था तो रूसी सेना को सफलता जरूर मिली लेकिन इस एक कृत्य ने दुनिया की कम्युनिस्ट एकता को बड़ा नुकसान पहुंचाया था। चेकोस्लोवाकिया में मार्क्सवादी लेनिनवादी मत पर चलने वाली पार्टी की सरकार थी। लेकिन उस वक्त की सरकार मार्क्सवाद के दायरे में रहकर सुधार कर रही थी जिसको जनता का भी भरपूर समर्थन मिल रहा था। लेकिन सोवियत रूस वहां सुधारों को नहीं बल्कि रूढ़िवादी मार्क्सवादियों को मजबूत करना चाहती थी।

सोवियत रूस ने वार्सा संधि वाले कुछ देशों के साथ मिलकर चेकोस्लोवाकिया पर हमला कर दिया था जिसमें डेढ़ सौ के करीब नागरिक मारे गए थे और सैकड़ों जख्मी हो गए थे। इस हमले की पूरी दुनिया में जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई थी। दिल्ली के रशियन कल्चर सेंटर पर भी इसका असर देखने को मिला था। हिंदी के लेखक कम्युनिस्ट रूस के इस हमलावर रुख से दो फाड़ में बंट गए थे। निर्मल वर्मा ने खुद को कम्युनिस्ट पार्टी से अलग कर लिया था। रशियन कल्चर सेंटर में होनो वाली गोष्ठियों में लेखकों की उपस्थिति कम होने लगी। इंडो रशियन लिट्रेचर सोसाइटी भी कमजोर पड़ने लगी थी और दिल्ली के लेखकों की भी उत्साहवर्धक उपस्थिति नहीं रही थी। इसके बाद से ही यहां गैर कम्युनिस्ट लेखकों को शक की निगाहों से देखा जाने लगा।

आयोजनों आदि में भी ये विभाजन साफ तौर पर देखा जाता था। धीरे-धीरे यहां सिर्फ सोवियत समर्थक लेखकों-कलाकारों का जमावड़ा लगने लगा था। 1980 में जब रूस में सुधारों का दौर शुरू हुआ और 1987 से लेकर 1989 तक ये और भी जोर पकड़ने लगा तो इसका असर भी दिल्ली के रशियन कल्चर सेंटर पर पड़ा था। अब फिरोजशाह मेहता रोड पर खड़ी रशियन कल्चर सेंटर की इमारत में बहुत ही कम साहित्यिक गतिविधियां होती हैं। जो थोड़ी बहुत होती भी हैं उनमें दिल्ली के बुद्धिजीवी वर्ग की उपस्थिति बहुत कम होती है। इमारत में भी एक अजीब किस्म का उदास माहौल महसूस किया जा सकता है।

अनंत विजय

यहां मिलेगा शिक्षा का सकारात्मक माहौल

फुर्सत का ज्ञान

दिल्ली में ज्यादातर कॉलोनियां ऐसी हैं, जहां मात्र 25-30 गज के प्लॉट में मकान बने हुए हैं। यहां भीड़भाड़ की वजह से बच्चों को पढ़ाई करने या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए वह माहौल नहीं मिल पाता, जिसकी उन्हें जरूरत होती है। छात्रों को पढ़ाई का वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अधिवक्ता इकबाल भट्ट ने वर्ष 2016 में कम्युनिटी एंपावरमेंट फाउंडेशन (सीईएफ) पुस्तकालय की स्थापना की थी। ओल्ड मुस्तफाबाद मुख्य ब्रजपुरी रोड स्थित इस पुस्तकालय में पाठकों को स्कूल व कॉलेज के पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षा की किताबों के साथ कई ऐसी रोचक किताबें उपलब्ध कराई जाती हैं, जिन्हें वे रुचि लेकर पढ़ते हैं। यहां मुस्तफाबाद के अलावा सीमापुरी, गोकुलपुरी, नेहरु विहार, खजूरी व आसपास के क्षेत्रों से करीब 800 बच्चे पढ़ने आते हैं। रोजाना यहां करीब 100 छात्र पढ़ाई करते दिख जाएंगे।

कम्युनिटी एंपावरमेंट फाउंडेशन पुस्तकालय में अध्ययनरत छात्राएं। जागरण

खुलने का समय

सुबह 9:30 से रात 10 बजे तक पुस्तकालय में बैठकर अध्ययन कर सकते हैं। शुक्रवार को अवकाश रहता है।

ऐसे पहुंचे

गोकुलपुरी मेट्रो स्टेशन से ऑटो या रिक्शा लेकर सीईएफ पुस्तकालय पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा डीटीसी बस द्वारा वजीराबाद रोड से यमुना विहार सी ब्लॉक के बस स्टैंड पर उतरकर भी पुस्तकालय कर रुख कर सकते हैं।

सामूहिक चर्चा की भी व्यवस्था : पुस्तकालय संचालक नूर कहते हैं कि पुस्तकालय मुस्लिम बहुल क्षेत्र में है। यहां लोगों के घर छोटे-छोटे हैं। जिस कारण बच्चों को पढ़ाई का वातावरण नहीं मिल पाता। उनकी पढ़ाई में कोई रुकावट न आए, इस बात का यहां पूरा ध्यान रखा जाता है। यहां पढ़ाई कर कई बच्चे नीट, दिल्ली पुलिस, एसएसई आदि की परीक्षाएं पास कर नौकरी कर रहे हैं। पुस्तकालय में एक कमरा ऐसा है, जहां प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र सामूहिक चर्चा करते हैं। चर्चा के दौरान उन्हें कठिन से कठिन सवालों को समझने में आसानी होती है।

उर्दू प्रेमियों के लिए कई विकल्प : उर्दू साहित्य में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए यह जगह बेहद खास है। उर्दू की एक से बढकर एक चुनिंदा किताबें उपलब्ध हैं। कई किताबों के हिंदी व अंग्रेजी अनुवाद भी मिल जाएंगे। जिन पाठकों को उर्दू नहीं आती, लेकिन उर्दू की किताबें पढ़ने का शौक है तो वे हिंदी या अंग्रेजी भाषा में उर्दू की किताबों का अनुवाद पढ़कर अपनी जिज्ञासा को शांत कर सकते हैं। यहां पाठकों द्वारा सबसे अधिक मांग इस्लाम अकीदे और शिक्षाएं किताब की होती है। यह पुस्तक पाठकों के लिए इस्लाम धर्म से जुड़ी आस्थाओं व शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त करने का बेहतरीन जरिया है।

पाठकों की पसंद यू कैन विन व व्हाइट मुगल्स : प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी से संबंधित किताबें तो यहां मिल ही जाएंगी साथ ही 10वीं कक्षा तक के पाठ्यक्रम की किताबें, हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, उर्दू साहित्य, अकाउंट्स, गणित के अलावा दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) की पुरानी किताबों का संकलन भी है। स्टोरीज फॉर बॉयज-टेल्स ऑफ मिस्ट्री सस्पेंस एंड एडवेंचर व स्टोरीज फॉर गर्ल्स, व्हाइट मुगल्स विलियम डेलरिंपल व शिव खेड़ा की यू कैन विन किताब पाठक सबसे ज्यादा पसंद करते हैं।

ज्ञानवर्द्धन गतिविधियां भी : छात्र यहां किताबें पढ़कर तो अपना ज्ञानवर्द्धन करते ही हैं। समय-समय पर आयोजित गतिविधियों के माध्यम से भी वे काफी कुछ सीखते हैं। जो छात्र सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे हैं, उनके लिए उपयोगी नोट्स भी यहां सहज उपलब्ध हैं।

नहीं लेनी होगी सदस्यता : अगर आप यहां बैठकर अध्ययन करना चाहते हैं तो इसके एवज में आपको कोई सदस्यता शुल्क देने की जरूरत नहीं है। बस आपको अपना आधार कार्ड या पहचान पत्र व शैक्षणिक दस्तावेज जमा कराने होंगे। उसके बाद सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं।

-रितु राणा

इतिहास व संस्कृति की बारीकियों से होंगे रूबरू

काम की दुकान

पैरामाउंट बुक स्टोर

बेशक आप दिल्ली के ऐतिहासिक स्थल घूम चुके हों, यहां की गलियों में जायकों का आनंद भी ले चुके हों, लेकिन दिल्ली के इतिहास, यहां की संस्कृति और खान पान के बारे में बारीकी के जानना-समझना चाह रहे हों तो जनपथ स्थित पैरामाउंट बुक स्टोर आपके काम की जगह है। करीब 70 वर्ष पुरानी इस दुकान पर आपको एक से बढ़कर एक ऐसी पुस्तकें मिल जाएंगी, जिन्हें पढ़कर आप दिल्ली को अच्छी तरह समझ सकेंगे। दिल्ली के खान-पान, कला व संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कराने वाली कई किताबें यहां उपलब्ध हैं।

150 तरह की पत्रिकाएं मौजूद : दुकानदार नरेश कमबीरी कहते हैं कि सन् 1950 से 2017 तक वे केवल अंग्रेजी साहित्य की किताबें ही बेचा करते थे, लेकिन ग्राहकों द्वारा हिंदी किताबों की मांग के बाद 2017 से हिंदी किताबें भी रखना शुरू कर दिया। लेकिन आज भी यहां ज्यादातर अंग्रेजी किताबें ही उपलब्ध हैं। यहां कई तरह के कॉमिक बुक, 150 से अधिक हिंदी व अंग्रेजी की फैशन, बिजनेस, आर्ट, इंटीरियर आदि से संबंधित पत्रिकाएं भी मिल जाएंगी, जिन्हें पढ़कर आपना ज्ञान बढ़ा सकते हैं।

बच्चों की रोचक किताबें : टारजन नॉवल सीरीज का पहला एडिशन 'एडगर राइस बरोज', सोवियत संघ का इ

कंपनियों के सीएसआर खर्च का प्रदर्शन लचर

नई दिल्ली : कंपनियों के मुनाफे में गिरावट आने की वजह से कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत चलाई जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं पर बुरा असर हो रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल खर्च की गई सीएसआर की रकम 700 करोड़ रुपये से ज्यादा घट गई है। सीएसआर के तहत खर्च के मामले में रिलायंस, ओएनजीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस टॉप पर हैं। संसद में पूछे गए सवाल-जवाब के अनुसार सीएसआर फंड में गिरावट आई है। (प्रेट्र)

भारत और यूरोप के पास ग्लोबल इकोनॉमी को गति देने का मौका है। हमारे बीच आगे चलकर बड़े समझौतों की संभावनाएं हैं। 130 करोड़ लोगों के बाजार के साथ भारत में व्यापार के अनुकूल माहौल है।
– पीयूष गोयल, वाणिज्य मंत्री

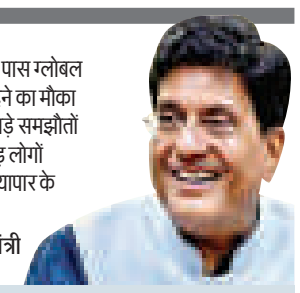

सेंसेक्स 40,651.64	निफ्टी 11,999.10	सोना (प्रति दस ग्राम) ₹ 39,194	चांदी (प्रति किलोग्राम) ₹ 45,772	$ डॉलर ₹ 71.81	क्रूड (ब्रेंट) (प्रति बैरल) $ 61.16
▲ 181.94	▲ 59	▲ ₹ 296	▲ ₹ 331	▲ ₹ 0.10	

डीएचएफएल बोर्ड निरस्त, शुरू होगी दिवालिया प्रक्रिया

डीएचएफएल में करीब एक लाख जमाकर्ताओं का पैसा फंसा, कंपनी पर कुल 88 हजार करोड़ रुपये की देनदारियां

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

वित्तीय घोटाले के आरोपों में फंसी एक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) के प्रबंधन को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने बुधवार को निरस्त कर दिया। डीएचएफएल में वित्तीय गड़बड़ियों और इसमें प्रबंधन की मिलीभगत के बारे में कई महीनों से सूचनाएं मिल रही थी। कंपनी एक के बाद एक कई देनदारियों का भुगतान भी नहीं कर पा रही थी। ऐसे में आरबीआइ ने बुधवार को एक आदेश जारी कर इसके प्रबंधन को निरस्त कर दिया और इंडियन ओवरसीज बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक आर. सुब्रमणियकुमार को डीएचएफएल का नया प्रशासक नियुक्त किया गया है।

इस बारे में सूचना देते हुए आरबीआइ ने यह भी कहा है कि डीएचएफएल की जल्द दिवालिया कानून के तहत आवश्यक प्रक्रिया शुरू की जाएगी। आरबीआइ की तरफ से नियुक्त नए प्रशासक की तरफ से जल्द ही इंन्सॉल्वेंसी एंड बैंक्रप्सी कोड (आइबीसी) के तहत दिवालिया प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए एनसीएलटी के पास आवेदन किया जाएगा कि वह जल्द दिवालिया प्रक्रिया के लिए उपयुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आरपी) की नियुक्ति करे। माना जाता है कि डीएचएफएल की विभिन्न योजनाओं में करीब एक लाख निवेशकों के तकरीबन 15 हजार करोड़ रुपये जमा हैं। साथ ही इस पर बैंकों का भी तकरीबन 38,000 करोड़ रुपये बकाया है। इसके अलावा दर्जनों म्यूचुअल फंड्स कंपनियों ने भी इसमें निवेश किया हुआ है। कुल मिलाकर कंपनी पर 88,000 करोड़ रुपये की देनदारियां हैं। ऐसे में कंपनी की परिसंपत्तियों से सारी देनदारियों का भुगतान होने को लेकर भी आशंका जताई जा रही है।

कंपनी की परिसंपत्तियों से सारी देनदारियों का भुगतान हो पाना भी मुश्किल। प्रतीकात्मक

गौरतलब है कि कुछ निवेशकों की तरफ से पहले ही मुंबई हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी डीएचएफएल के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई हैं और मामले चल रहे हैं। डीएचएफएल जमा स्वीकार करने के साथ ही होम लोन देने वाली एनबीएफसी है। इममें गड़बड़ी की सूचनाएं एक अन्य एनबीएफसी आइएलएंडएफएस में हुए वित्तीय घोटाले के आसपास ही आनी शुरू हुई थीं। कंपनी प्रबंधन ने पहले तो इससे इन्कार किया, लेकिन कुछ ही दिनों में यह स्पष्ट हो गया कि बड़ा कॉरपोरेट घोटाला चल रहा है। डीएचएफएल और आइएलएंडएफएस में घोटाला लगभग एक जैसा है। एक प्रमुख मीडिया हाउस ने कंपनी के पूरे प्रबंधन को कठघरे में इस वर्ष जनवरी में तब खड़ा कर दिया जब उसने एक रिपोर्ट में दिखाया कि किस तरह से गैरकानूनी तरीके से फंड का हस्तांतरण हो रहा है। कंपनी के प्रवर्तकों की तरफ से गठित छोटी-छोटी बेनामी कंपनियों में फंड को गैरकानूनी तरीके से हस्तांतरित करने का आरोप लगाया गया।

कंपनी के प्रमुख प्रवर्तक वधावन ग्लोबल कैप्टिल्स लिमिटेड है जिनका अभी भी इसमें 37.3 फीसद हिस्सेदारी है। वधावन परिवार के कुछ दूसरे सदस्यों के पास संयुक्त तौर पर 1.90 फीसद हिस्सेदारी है। जुलाई में जब कंपनी के वित्तीय परिणाम सामने आए तो इसमें 2,223 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। तब यह साफ हो गया कि वित्तीय गड़बड़ियों की बात सच है। प्रवर्तन निदेशालय ने भी जांच की जिसमें हजारों करोड़ रुपये के घोटाले की बात सामने आई। केपीएमजी ने कंपनी के रिकार्ड्स की फॉरेंसिक जांच में यह स्पष्ट कर दिया कि फंड का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाता रहा है। बैंकों से यह कह कर कर्ज लिया गया कि उसे होम लोन के तौर पर बांटा जाएगा, लेकिन उसे ग्रुप की दूसरी दर्जनों कंपनियों में भेज दिया गया।

सवा लाख टन प्याज आयात को कैबिनेट की मंजूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- प्याज पर कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली समिति रख रही है नजर
- सरकारी नोडल एजेंसियां पहले से ही विदेश में तलाश रही हैं संभावनाएं

देश में प्याज की फसल के खराब होने और उत्पादन घट जाने के अनुमान को देखते हुए सरकार ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए विदेश से प्याज मंगाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में विदेशों से 1.2 लाख टन प्याज के आयात को हरी झंडी दी गई।

प्याज उत्पादक राज्यों में खरीफ सीजन की फसल को लौटते मानसून की भारी बारिश से जबर्दस्त नुकसान हुआ है। इसके चलते घरेलू बाजार में प्याज की कीमतों में भारी उछाल आ गया है। महानगरों में प्याज का मूल्य 60 से 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया। प्याज की आपूर्ति बढ़ाने के लिए सरकार घरेलू एजेंसी नैफेड के बफर स्टॉक से राज्यों को रियायती दरों पर प्याज बेच रही है। लेकिन बढ़ते दाम को थामने के लिए सरकार ने विभिन्न देशों से प्याज आयात करने का फैसला किया है।

प्याज की मांग और आपूर्ति में संतुलन बनाए रखने के लिए कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली केंद्रीय मूल्य निगरानी कमेटी ने भी आयात की सिफारिश की थी। इसी के मद्देनजर अफगानिस्तान, तुर्की, मिस्र और ईरान समेत सभी प्याज उत्पादक देशों में स्थित दूतावासों को जल्द से जल्द सौदे करने के लिए सतर्क कर दिया गया है। प्याज आयात के लिए निर्धारित शर्तों में कई तरह की ढील दे दी गई है, जिसमें फाइटोसैनिटरी प्रावधान प्रमुख है। इस प्रावधान के चलते भारत में जिंसों के आयात में बहुत विलंब हो जाता है। इसमें ढील देने से आयातक कंपनियां सुरक्षा जांच घरेलू बंदरगाहों पर करा सकेंगी, जिससे समय बचेगा। सरकारी एजेंसी एमएमटीसी ने दो हजार टन प्याज के लिए पहले ही वैश्विक टेंडर जारी कर दिया है।

सरकार ने निजी प्रतिष्ठानों को प्याज आयात करने के लिए 30 नवंबर तक की छूट दी है। माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले के बाद इस तारीख को और आगे बढ़ाया जा सकता है। इधर, घरेलू बाजारों में उत्तरी क्षेत्र की प्रमुख उत्पादक मंडी अलवर में प्याज की आपूर्ति हो रही है।

टेलीकॉम कंपनियों को चुकानी होगी रकम

देनदारी ▶ इसमें 92,642 करोड़ लाइसेंस फीस व 55,054 करोड़ रुपये एसयूसी के

ब्याज और जुर्माने में राहत देने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं : रवि शंकर प्रसाद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

टेलीकॉम उद्योग को वित्तीय संकट से उबारने के लिए केंद्रीय कैबिनेट ने कुछ राहत की घोषणा कर दी है। हालांकि संचार मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने लोकसभा में स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया तथा अन्य टेलीकॉम कंपनियों पर एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) मद में लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये की जो देनदारी बनती है, उसका भुगतान उन्हें करना ही होगा। इसके ब्याज और जुर्माने में किसी प्रकार की छूट देने का फिलहाल सरकार के समक्ष कोई प्रस्ताव नहीं है।

टेलीकॉम उद्योग की हालत पर अलग-अलग प्रश्नों के जवाब में प्रसाद ने कहा के बकाए में 92,642 करोड़ रुपये लाइसेंस फीस के तथा 55,054 करोड़ रुपये स्पेक्ट्रम यूसेज चार्जेज (एसयूसी) के शामिल हैं। इन देनदारियों का आकलन सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के आधार पर किया गया है कि एजीआर में गैर-टेलीकॉम राजस्व को भी शामिल माना जाएगा। एजीआर के आंकड़ों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद इस राशि का नए सिरे से निर्धारण किया जाएगा। सरकार ने टेलीकॉम कंपनियों से सुप्रीमकोर्ट के आदेश के मुताबिक भुगतान करने तथा जरूरी कागजात जमा करने को कहा है।

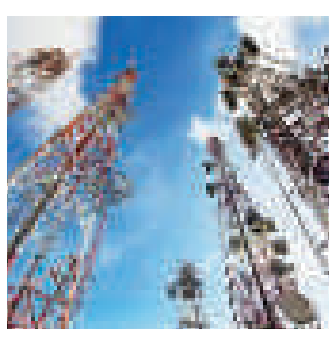

प्रतीकात्मक

सुप्रीम कोर्ट के 24 अक्टूबर के फैसले के बाद भारती एयरटेल पर करीब 35,586 करोड़ रुपये की देनदारी बनती है। इसमें 21,682 करोड़ रुपये लाइसेंस फीस जबकि 13,904 करोड़ रुपये एसयूसी का बकाया शामिल है। इसमें टेलीनॉर और टाटा टेली सर्विसेज की बकाया राशि शामिल नहीं है। वोडाफोन आइडिया पर कुल 53,038 करोड़ रुपये की देनदारी बनती है। इसमें 28,309 करोड़ रुपये लाइसेंस फीस और 24,729 करोड़ रुपये एसयूसी का बकाया शामिल है। इसी प्रकार रिलायंस कम्यूनिकेशंस लि. तथा रिलायंस टेलीकम्यूनिकेशंस पर 16,457 करोड़ की लाइसेंस फीस व 4683.78 करोड़ का एसयूसी बकाया है। कुल मिलाकर 15 कंपनियों पर लाइसेंस फीस और 20 कंपनियों पर एसयूसी की देनदारी है।

इन वजहों से तबाह हुआ टेलीकॉम उद्योग : टेलीकॉम उद्योग को गहरे संकट में डालने में इकलौते एजीआर की भूमिका नहीं है। सेक्टर की बदहाली के बीज नई दूरसंचार नीति के साथ ही पड़ गए। 'पहले आओ पहले पाओ' की नीति से देश-विदेश की दर्जनो कंपनियां टेलीकॉम मैदान में कूद पड़ीं। हालांकि इस स्पर्धा से आम ग्राहकों का फायदा भी हुआ। इससे टेलीकॉम उद्योग वक्त रहते उबर भी जाता, लेकिन 2008 में 2-जी स्पेक्ट्रम घोटाला उजागर हो गया। इस घोटाले में सुप्रीम कोर्ट के 122 टेलीकॉम लाइसेंस रद करने फैसला सुनाया, जिससे 10 ऑपरेटर्स को कारोबार समेटना पड़ा। इससे उबर रही भारती एयरटेल, वोडाफोन और आइडिया जैसी चुनिंदा कंपनियों को रिलायंस जियो की धमाकेदार एंट्री ने एक बार फिर झकझोर दिया। उसके बाद एजीआर की बदली परिभाषा में ने इन कंपनियों की कमर तोड़ दी। इसे लेकर सरकार और टेलीकॉम ऑपरेटरों में 16 वर्षों तक मुकदमेबाजी हुई।

स्पेक्ट्रम शुल्क भुगतान में दो वर्ष की राहत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सरकार ने टेलीकॉम उद्योग को स्पेक्ट्रम शुल्क के भुगतान में दो वर्षों की राहत देने का फैसला किया है। इसके तहत टेलीकॉम कंपनियों को 2020-21 और 2021-22 के बकाया स्पेक्ट्रम शुल्क का भुगतान बाकी वर्षों में बराबर किस्तों में करने की छूट दी गई है। इससे उद्योग फिलहाल तत्काल 42 हजार करोड़ रुपये की अदायगी से बच गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि टेलीकॉम कंपनियों के लिए स्पेक्ट्रम शुल्क के भुगतान की कुल अवधि नहीं बढ़ाई गई है, बल्कि दो वर्षों का बकाया बाकी वर्षों के दौरान बराबर किस्तों में करने की छूट दी गई है। हालांकि टेलीकॉम कंपनियों को दो वर्ष की इस स्थगित अवधि का ब्याज देना पड़ेगा। उसमें कोई छूट नहीं दी गई है। जो टेलीकॉम कंपनियां स्पेक्ट्रम फीस के भुगतान में दो वर्ष की छूट चाहती हैं उन्हें सीधी छूट नहीं मिलेगी। परंतु यदि वे चाहें तो भुगतान के एवज में किस्तों के बराबर बैंक गारंटी दे सकती हैं।

गरीबों का एक भी पैसा चिट फंड में डूबने नहीं देगी सरकार : ठाकुर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चिट फंड संशोधन विधेयक, 2019 लोकसभा से बुधवार को पास हो गया। वर्ष 2013 में पश्चिम बंगाल में हुए सारधा घोटाले के बाद से ही देश में इस क्षेत्र के कामकाज को पारदर्शी तरीके से चलाने व इन पर नियमन को कसने की जरूरत महसूस की जा रही थी। नए विधेयक के मुताबिक अब चार या इससे कम लोगों के बीच चिट फंड चलाने के लिए न्यूनतम राशि की सीमा तीन लाख रुपये कर दी गई है जो पहले एक लाख रुपये थी।

अगर चार या इससे ज्यादा व्यक्ति साझेदार हैं तो चिट फंड की राशि की सीमा छह लाख रुपये से बढ़ाकर 16 लाख रुपये कर दी गई है। इसके साथ ही चिट फंड चलाने वाले प्रबंधक फोरमैन के लिए कमीशन का हिस्सा पांच फीसद से बढ़ा कर सात फीसद किया गया है। इसका भी प्रावधान किया गया है कि कम से कम दो सदस्य मौजूद हों, वह भले ही प्रक्रिया वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से हो। फोरमैन इस पूरी प्रक्रिया की रिकार्डिंग करेगा। विधेयक का मुख्य उद्देश्य कामकाज को पारदर्शी बनाने के साथ ही इससे जुड़ी बदनामी को भी खत्म करना है। यही वजह है कि विधेयक में कहा गया है कि चिट फंड व्यवस्था को बंधुत्व फंड, आवर्ती बचत योजना या ऋण संस्थान के तौर पर जाना जाएगा। दरअसल चिट फंड से आभास होता है कि कोई चीट (धोखा) कर रहा है। चिट फंड संशोधन विधेयक पर लोकसभा में जारी चर्चा का जवाब देते हुए वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार की मंशा यही है कि कोई भी गरीबों का पैसा लेकर गायब न हो सके और अगर गरीबों ने किसी स्कीम में पैसा लगाया है तो उसका एक एक पैसा वापस मिले।

अनुराग ठाकुर फाइल फोटो

ठाकुर ने यह स्पष्ट किया कि सभी को यह समझना चाहिए कि पोंजी स्कीम और चिट फंड में अंतर है। पोंजी स्कीम पर पूरी तरह से पाबंदी है। सरकार यह चाहती है कि चिट फंड बेहतर तरीके से चले और इसमे किसी भी गरीब या आम जनता का पैसा न डूबे। विधेयक पर चर्चा के दौरान टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा कि पोंजी स्कीमों या चिट फंड स्कीम की लोकप्रियता की दो वजहें हैं। पहला कि देश का बैंकिंग सिस्टम आम जनता को अपने से जोड़ने में विफल रहा और दूसरा, देश की वित्तीय नियामक एजेंसियां विफल रही। भाजपा सांसद प्रतिमा भौमिक ने इस विधयेक की जरूरत बताते हुए कहा कि चिट फंड ने त्रिपुरा की आर्थिक स्थिति बदहाल कर दी है। त्रिपुरा की आबादी 37 लाख है और इसमें से 16 लाख लोगों को चिट फंड से नुकसान हुआ है। राज्य का कुल बजट 16 हजार करोड़ रुपये का है जबकि 10 हजार करोड़ रुपये की लूट चिट फंड कंपनियों ने की है। आप पार्टी के सांसद भगवंत मान ने कहा कि चिट फंड और पोंजी स्कीम चलाने वाली कंपनियों से हजारों परिवार बर्बाद हो चुके हैं। उन्होंने इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने का आग्रह किया। ध्यान रहे कि देश में लगभग 30 हजार पंजीकृत चिट फंड कंपनियां हैं।

संशोधित विधेयक के बिंदु

- चिट फंड की न्यूनतम राशि सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 3 लाख रुपये
- फ्रैटरनिटी फंड, आवर्ती जमा के तौर पर जाना जाएगा चिट फंड
- वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये भी हिस्सा लिया जा सकेगा चिट फंड में

लिस्टेड कंपनियों को 24 घंटे में देनी होगी डिफॉल्ट की जानकारी

- कर्ज अदायगी में 30 दिनों से ज्यादा देरी होने पर इसकी जानकारी 24 घंटे के भीतर देनी होगी

मुंबई, प्रेट्र : पूंजी बाजार नियामक सेबी ने लिस्टेड कंपनियों के लिए समय पर कर्ज नहीं चुका पाने की जानकारी देने संबंधी नियमों को और सख्त कर दिया है। नियामक के निदेशक बोर्ड ने पोर्टफोलियो प्रबंधकों और राइट इश्यू जारी करने के नियमों में संशोधन को भी मंजूरी दे दी गई है। सेबी के निदशक बोर्ड की बुधवार को हुई बैठक में कई अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। सेबी ने व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट (बीआरआर) जमा करने का दायरा बढ़ाया है। अब 500 की जगह शीर्ष 1,000 कंपनियों को बीआरआर रिपोर्ट जमा करनी होगी।

सेबी के बोर्ड की बैठक के बाद चेयरमैन अजय त्यागी ने कहा कि कर्ज भुगतान में विफलता को लेकर नए डिस्क्लोजर नियमों का मकसद निवेशकों की मदद के लिए और पारदर्शिता लाना है। त्यागी ने कहा, 'कर्ज के मूलधन या ब्याज अदायगी में 30 दिनों से ज्यादा की देरी होने पर लिस्टेड कंपनियों को 24 घंटे के भीतर कर्ज भुगतान नहीं कर पाने के बारे में तथ्यों का खुलासा करना होगा।' सेबी ने कहा कि यह फैसला लिस्टेड कंपनियों के समय पर कर्ज की किस्तों का भुगतान नहीं कर पाने से जुड़ी जानकारी नहीं मिल पाने की कमी दूर करने के लिए किया है। नया नियम एक जनवरी, 2020 से लागू होगा।

आइएलएंडएफएस से सबक : आइएलएंडएफएस समेत कई कंपनियों में समय पर कर्ज का भुगतान नहीं कर पाने जैसी कई घटनाएं सामने आई हैं। कई मामलों में कर्ज चुकाने में देरी की जानकारी बहुत देरी से दी गई। बैठक में लिए गए अन्य निर्णयों के तहत सेबी मौजूदा शेयरधारकों को उनके अधिकार के मुताबिक शेयर जारी करने के नियमों को संशोधित करेगा। राइट्स इश्यू की समय सीमा 55 दिन से घटाकर 31 दिन की जाएगी। इसके अलावा बाजार नियामक पोर्टफोलियो प्रबंधकों के लिए नियमों को संशोधित करेगा।

जेपी इन्फ्रा के ग्राहकों को 63 करोड़ के रिफंड को तैयार एनबीसीसी

नई दिल्ली, आइएएनएस : सरकारी क्षेत्र की कंस्ट्रक्शन कंपनी एनबीसीसी ने जेपी इन्फ्राटेक के रिजॉल्यूशन प्लान के तहत 62.40 करोड़ रुपये रिफंड करने की बात कही है। जेपी इन्फ्राटेक के कुछ खरीदारों ने घर मिलने में देरी के कारण अपनी मूल राशि वापस मांगी थी। एनबीसीसी ने यह राशि उसी मद में प्रयोग के लिए प्रस्तावित की है। हालांकि कुल रिफंड की मांग करीब 79 करोड़ रुपये की है। कंपनी नए रिफंड की मांग स्वीकार नहीं करेगी।

एनबीसीसी ने रिजॉल्यूशन प्लान में कहा है कि वह कुल रिफंड का 20 परसेंट हिस्सा इस योजना को मंजूरी मिलने के 90 दिनों के भीतर चुका देगी। बाकी राशि चार वर्ष के दौरान 20 प्रतिशत की बराबर किस्तों में वापस की जाएगी। हालांकि इस पर किसी तरह का ब्याज देने की बात नहीं कही गई है। एनबीसीसी ने कहा है कि निश्चित तिथि के मुताबिक घरों को खरीदारों के हवाले कर दिया जाएगा। घर डिलिवर करने में देरी होने पर पांच रुपये प्रति वर्गफीट के हिसाब से जुर्माना दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

सिर्फ 100 मिलों में ही हो रही है गन्ना पेराई, चीनी उत्पादन 64 प्रतिशत घटा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- महाराष्ट्र की एक भी मिल में नहीं हो रही गन्ने की पेराई, यूपी में 69 चल रहीं
- पिछले साल अब तक 300 से अधिक मिलों में शुरु हो गई थी पेराई

चालू गन्ना वर्ष में चीनी मिलों में पेराई की रफ्तार बहुत धीमी चल रही है। पेराई सीजन शुरू हुए डेढ़ महीने हो चुके हैं, लेकिन केवल 100 मिलों में ही चीनी का उत्पादन शुरू हो सका है। जबकि पिछले साल अब तक 300 से अधिक मिलों में पेराई चालू हो चुकी थी। इसी के चलते पिछले पेराई सीजन के मुकाबले 64 फीसद कम चीनी का उत्पादन हुआ है।

महाराष्ट्र में पहले सूखा और फिर लौटते मानसून की तेज बारिश से गन्ने की फसल को नुकसान हुआ है। इससे यहां की एक भी मिल में पेराई आरंभ नहीं हो पाई है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के जारी आंकड़ों के मुताबिक पहली अक्टूबर, 2019 से शुरू हुए चालू पेराई सीजन में 15 नवंबर तक 4.85 लाख टन चीनी का ही उत्पादन हुआ है। जबकि पिछले साल इस समय तक 13.38 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका था। महाराष्ट्र में चालू पेराई सीजन में अभी तक एक भी चीनी मिल में पेराई आरंभ नहीं हुई है, जबकि पिछले साल इस समय तक राज्य की लगभग 150 मिलों में पेराई शुरू हो गई थी 15 नवंबर 2018 तक राज्य में 6.31 लाख टन चीनी का उत्पादन भी हो गया था। महाराष्ट्र की चीनी मिलों में 22 नवंबर से पेराई आरंभ होने का अनुमान है।

चालू सीजन में उत्तर प्रदेश में अब तक 69 चीनी मिलों में पेराई चल रही है। प्रदेश में 2.93 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। पिछले साल राज्य में इस समय तक 1.76 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस बार चीनी का उत्पादन बढ़ा है। कर्नाटक में चालू पेराई सीजन में अभी तक केवल 18 चीनी मिलों में ही पेराई आरंभ हुई है। यहां की मिलों में 15 नवंबर तक राज्य में 1.43 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। गन्ना उत्पादक अन्य राज्यों में उत्तराखंड व बिहार में दो-दो चीनी मिलों और हरियाणा में एक मिल में पेराई शुरू हो गई है। गुजरात में तीन और तमिलनाडु की पांच मिलों ने पेराई चालू कर दी है। इन राज्यों में चालू पेराई सीजन में 15 नवंबर तक 49,000 टन चीनी का उत्पादन हुआ है। चीनी उद्योग के मुताबिक चालू पेराई सीजन में अभी तक करीब 12 लाख टन चीनी के निर्यात सौदे हो चुके हैं।

इसमें से दो लाख टन चीनी की शिपमेंट भी हो चुकी है। इस्मा के अनुसार चालू पेराई सीजन 2019-20 में चीनी का उत्पादन घटकर 260 लाख टन ही होने का अनुमान है जबकि पिछले पेराई सीजन में 331.61 लाख चीनी का रिकार्ड उत्पादन हुआ था। पहली अक्टूबर 2019 को शुरू हुए चालू पेराई सीजन में चीनी का बकाया स्टॉक 145.81 लाख टन का बचा हुआ था, जबकि देश में चीनी की सालाना खपत 255 से 260 लाख टन की ही होती है।

ड्राइवरों को मुफ्त डॉक्टरी सलाह, सस्ता लोन दिलाएगी उबर

नई दिल्ली, प्रेट्र : एप आधारित अग्रणी टैक्सी सेवा प्रदाता उबर अपने ड्राइवरों के लिए एक रिवार्ड प्रोग्राम शुरू करने की तैयारी में है। कंपनी ने बताया कि उबर प्लस नाम की यह योजना दिल्ली-एनसीआर, चंडीगढ़, कोच्चि और गुवाहाटी सहित कुल 13 भारतीय शहरों में शुरू की जाएगी। इस योजना के तहत प्रत्येक राइड पर ड्राइवर को कुछ अंक दिए जाएंगे। ड्राइवर इनके माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, छोटे लोन और गाड़ी की मरम्मत पर खर्च में छूट पा सकेंगे।

उबर इंडिया प्रमुख प्रभजीत सिंह ने बताया कि अंकों की गणना तीन महीने के आधार पर की जाएगी। इन्हें ब्लू, गोल्ड, प्लैटिनम और डायमंड श्रेणी में रखा जाएगा और इसी आधार पर इनसे लाभ लिया जा सकेगा। फिलहाल यह योजना दिल्ली-एनसीआर, चंडीगढ़ और मुंबई में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई है। इसके बाद 10 अन्य शहरों में इसका विस्तार कर दिया जाएगा। उबर के मुताबिक पायलट प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार ड्राइवरों ने भाग लिया और हजारों अंक इकट्ठा किए हैं।

शेयर बाजार

12 हजार का रिकॉर्ड छूते-छूते रह गया निफ्टी, रिलायंस, सन फार्मा जैसे बड़े स्टॉक्स से सेंसेक्स को मिली ऊर्जा, आरआइएल 10 लाख करोड़ रुपये एम-कैप वाली कंपनी बनने के करीब

इंट्रा-डे कारोबार में सेंसेक्स ने बनाया रिकॉर्ड

मुंबई, प्रेट्र : बुधवार को लगातार दूसरे सत्र में प्रमुख भारतीय शेयर बाजारों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान इंट्रा-डे में सेंसेक्स ने नया रिकॉर्ड दर्ज किया। दिन के कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 181.94 अंक सुधार के साथ 40,816.38 के स्तर पर बंद हुआ। यह रिकॉर्ड स्तर से सिर्फ दो अंक कम है। वहीं एनएसई के 50 शेयरों वाले निफ्टी में 59 अंक यानी 0.49 परसेंट का उछाल देखा गया। यह 12 हजार का मनोवैज्ञानिक स्तर छूने से सिर्फ कुछ कदम दूर रहकर 11,999.10 पर बंद हुआ।

दिन के कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आए उछाल ने सेंसेक्स को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके शेयरों में 2.47 परसेंट के तेजी दर्ज की गई। इसी के साथ आरआइएल देश की पहली 10 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण वाली कंपनी बनने के करीब पहुंच गई है। इसके अलावा सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, यस बैंक के शेयरों में 5.73 परसेंट तक का उछाल दर्ज किया गया। दूसरी ओर कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी, टाटा स्टील, एचयूएल, एसबीआइ और एयरटेल लाल निशान पर बंद हुए। बीएसई में एनर्जी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस और इंडस्ट्रियल एंड कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में 2.10 परसेंट तक की तेजी आई।

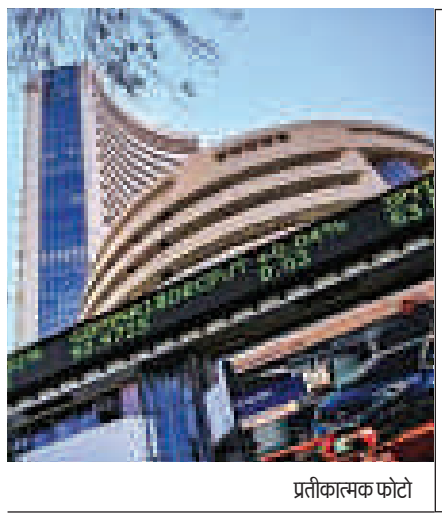

प्रतीकात्मक फोटो

आइआइएफएल सिक्युरिटीज के डायरेक्टर संजीव भसीन के मुताबिक सार्वजनिक उपक्रमों के विनिवेश की चर्चा और यूएस-चीन के बीच व्यापार समझौते पर प्रगति जैसी मुख्य वजहों से बाजार में तेजी देखी जा रही है। ट्रंप के बयान के चलते एशिया के अन्य बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि व्यापार समझौता विफल होने की स्थिति में शुल्क में और इजाफा हो सकता है। शंघाई, हांगकांग और सियोल के शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुए।

सोने-चांदी के भाव में तेजी जारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : बुधवार को प्रमुख भारतीय सराफा बाजारों में उछाल दर्ज किया गया। इस दौरान सोना 296 रुपये की तेजी के साथ 39,194 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। पिछले सत्र में यह 38,898 रुपये की कीमत पर बिका था। वहीं चांदी में भी 331 रुपये का उछाल दर्ज किया गया।

यह 46,103 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बंद हुई। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के रिसर्च प्रमुख तपन पटेल के मुताबिक रुपये में गिरावट और ग्लोबल मार्केट में तेजी के चलते सोने के भाव में वृद्धि देखी गई। ग्लोबल मार्केट में सोना 1,478 डॉलर और चांदी 17.17 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) के भाव पर बिके।

इन शेयरों में रही गहमागहमी

वोडाफोन आइडिया : बुधवार को वोडाफोन आइडिया के शेयरों में जबरदस्त मांग देखी गई। इस दौरान बीएसई में वोडाफोन का शेयर 17.44 परसेंट उछाल के साथ 7.07 रुपये पर बंद हुआ।

भारती एयरटेल : शुरुआती तेजी के बाद एयरटेल के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इंट्रा-डे के दौरान एयरटेल के शेयर 3.11 परसेंट की तेजी के साथ 52 सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे।

आरआइएल : दिन के कारोबार में इसके शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया। बीएसई में कंपनी के शेयर 2.47 परसेंट की तेजी के साथ 1,547.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए। वहीं एनएसई में यह 2.56 परसेंट उछाल के साथ 1,548.50 रुपये पर बिके। मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली आरआइएल 10 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण वाली पहली कंपनी बनने के करीब है। बुधवार के कारोबार के बाद कंपनी का एम-कैप 9.8 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुका है।

सत्य नडेला बने फॉर्च्यून बिजनेस पर्सन ऑफ द ईयर

न्यूयॉर्क, प्रेट्र : माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला को फॉर्च्यून बिजनेस पर्सन ऑफ द ईयर चुना गया है। फॉर्च्यून की इस वार्षिक सूची में भारतीय मूल के नडेला के अलावा मास्टरकार्ड के सीईओ अजय बंगा और अरिस्ता के प्रमुख जयश्री उल्लाल का नाम भी शामिल किया गया है। यह सूची विश्व के 20 ऐसे बिजनेस लीडर्स को शामिल किया जाता है, जिन्होंने बड़े लक्ष्यों को हासिल किया है, कंपनी को बहुत बुरी स्थिति से बाहर निकालने में सफल रहे हैं और रचनात्मक हल खोजे हैं। नडेला वर्ष 2014 से माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ हैं।

फॉर्च्यून ने बताया कि राजनैतिक उथल-पुथल वाले इस वर्ष में माइक्रोसॉफ्ट वृद्धि बनाए रखने में सफल रहा है। इसमें नडेला के नेतृत्व ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पत्रिका ने नडेला की तारीफ करते हुए कहा है कि 2014 में माइक्रोसॉफ्ट ने उन्हें इस पद के लिए चुना तो सबको आश्चर्य हुआ, क्योंकि वे सिर्फ एक कंप्यूटर साइंस इंजीनियर थे। वह बिल गेट्स की तरह संस्थापक नहीं थे और न ही स्टीव बाल्मर की तरह सेल्स के दिग्गज थे। उन्होंने कभी फाइनेंस सेक्टर में भी काम नहीं किया था। इसके बावजूद उन्होंने कंपनी को आगे ले जाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

फॉर्च्यून पत्रिका प्रत्येक वर्ष तैयार करती है बिजनेस लीडर्स की सूची

मास्टरकार्ड के अजय बंगा को इस सूची में आठवां स्थान दिया गया है। वहीं उल्लाल 18वें स्थान पर रही हैं। बंगा के बारे में पत्रिका ने कहा है कि उनके नेतृत्व में मास्टरकार्ड ने बहुत अच्छा प्रदर्शन कि

2 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई अफगानिस्तान में बुधवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में। आतंकी संगठन तालिबान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी हेलीकॉप्टर को मार गिराया। तालिबान के अनुसार, घटना लोगर प्रांत के चर्ख जिले की है। अमेरिकी सेना ने दुर्घटना के जगह की जानकारी नहीं दी है।

न्यूज गैलरी

भारतवंशी को अमेरिका में मिली छह करोड़ की फेलोशिप

ह्यूस्टन : अमेरिका में भारतीय मूल के वैज्ञानिक अंकुर जैन को विशिष्ट शोध कार्य के लिए प्रतिष्ठित पैकर्ड फेलोशिप के लिए चुना गया है। अंकुर मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआइटी) में जीव विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत हैं। अंकुर को फेलोशिप के तहत अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाने के लिए 8.75 लाख डॉलर (करीब 6.28 करोड़ रुपये) की राशि दी जाएगी। अंकुर को यह फेलोशिप तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार के क्षेत्र में शोध के लिए दी गई है। इस साल पैकर्ड फेलोशिप अंकुर समेत कुल 22 शोधकर्ताओं को दी गई है। अंकुर ने खड़गपुर आइआइटी से 2007 में बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोकेमिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। (प्रेट्र)

जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति के बेटे की चाकू मारकर हत्या

फ्रैंकफर्ट : जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड वेइजेकर के बेटे फ्रिट्ज वेइजेकर (59) की बुधवार को चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पेशे से चिकित्सक फ्रिट्ज पर एक अज्ञात शख्स ने उस वक्त हमला कर दिया जब राजधानी बर्लिन से सटे चारलटेनबर्ग स्थित स्कलोसपार्क हॉस्पिटल में उन्होंने लिवर बीमारी पर अपना लेक्चर पूरा किया था। हमलावर ने फ्रिट्ज को बचाने आए एक अन्य व्यक्ति को बुरी तरह घायल कर दिया। फ्रिट्ज के पिता रिचर्ड वेइजेकर 1990 से 1994 तक जर्मनी के राष्ट्रपति रहे थे। (एएफपी)

अमेरिकी सीनेट ने पारित किया हांगकांग मानवाधिकार व लोकतंत्र बिल

उठाया कदम ▸ कानून बनने पर विदेश मंत्री को देनी होगी हांगकांग की स्वायत्तता पर रिपोर्ट

वाशिंगटन, प्रेट्र : हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए अमेरिकी संसद के उच्च सदन सीनेट ने सर्वसम्मति से एक बिल पारित किया है। यह बिल ट्रंप प्रशासन को इस बात का आकलन करने की शक्तियां प्रदान करेगा कि क्या इस अहम वैश्विक आर्थिक केंद्र में राजनीतिक अशांति के कारण उसे अमेरिकी कानून के तहत मिले विशेष दर्जे में बदलाव लाना उचित है या नहीं।

हांगकांग मानवाधिकार एवं लोकतंत्र अधिनियम, 2019 नामक इस बिल को सीनेट ने मंगलवार को पारित किया। इसके तहत विदेश मंत्री को साल में कम से कम एक बार यह प्रमाणित करना होगा कि हांगकांग के पास अब भी इतनी स्वायत्तता है कि उसे अमेरिका के साथ व्यापार में विशेष महत्व दिया जाए। अमेरिका, चीन के मुकाबले अर्ध स्वायत्त हांगकांग के साथ अलग व्यवहार करता है। इस बिल के कानून बनने पर शहर के विशेष दर्जे की व्यापक जांच अनिवार्य हो जाएगी। सांसद जिम रिस्च ने कहा, अमेरिकी संसद ने हांगकांग की जनता के समर्थन में मंगलवार को एक कदम उठाया है। यह विधेयक पारित होना हांगकांग की स्वायत्तता को कम करने के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को जिम्मेदार ठहराने के रास्ते में अहम कदम है।

चीन ने अमेरिकी दूतावास के अधिकारी को तलब किया

बीजिंग : अमेरिकी सीनेट द्वारा हांगकांग से जुड़े बिल को पारित करने पर चीन ने कड़ा एतराज जताते हुए बुधवार को अमेरिकी दूतावास के प्रतिनिधि विलियम क्लेन को तलब किया। इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने कहा, अमेरिकी बिल में तथ्यों और सच्चाई की अनदेखी की गई है। यह बिल हांगकांग और चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप है। विधेयक ना केवल अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करता है बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों को भी कुचलता है। चीन इसकी निंदा करता है और अमेरिका से मांग करता है कि देर होने से पहले वह इस बिल को कानून बनने से रोके। चीन के उप विदेश मंत्री मा झाओक्सू ने भी कहा कि हांगकांग की समृद्धि और स्थिरता को नष्ट करने और चीन के विकास को बाधित करने का कोई भी अमेरिकी प्रयास असफल होगा।

विवि पर कब्जे के बाद पुलिस ने स्कूल भी खुलवाए

हांगकांग, रायटर : हांगकांग के पॉलीटेक्निक विश्वविद्यालय में पुलिस कार्रवाई के 48 घंटे गुजरने के बावजूद वहां करीब 100 आंदोलनकारी बने हुए हैं। रविवार रात पुलिस कार्रवाई शुरू होने के बाद तमाम छात्र सीवर लाइनों के जरिये भाग निकले। सोमवार तक पुलिस ने विश्वविद्यालय से एक हजार से ज्यादा आंदोलनकारी छात्रों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की सख्ती का नतीजा था कि लगातार छह दिनों की बंदी के बाद बुधवार को महानगर के स्कूल खुले और उनमें बच्चों की पढ़ाई हुई। आंदोलनकारियों के आह्वान पर ये स्कूल बंद कर दिए गए थे। रविवार रात से पुलिस से जूझते कुछ छात्रों ने समर्पण कर दिया था तो बड़ी संख्या में छात्र पथराव और पेट्रोल बम फेंकते हुए पुलिस कार्रवाई में गिरफ्तार हुए। इसके अतिरिक्त सैकड़ों छात्र बचकर भागने में सफल रहे। ऐसे छात्र विश्वविद्यालय की चहारदीवारी फांदकर भागे। कुछ ने चहारदीवारी के पार अपने साथियों को मोटरसाइकिल लेकर बुला रखा था। वे बाहर कूदे और मोटरसाइकिल पर बैठकर भाग खड़े हुए। पुलिस उन पर आंसू गैस के गोले और रबर बुलेट फेंकती रह गई। कुछ ने मेनहोल का ढक्कन हटाकर सीवर से बाहर निकलने का रास्ता बनाया। बताते हैं कि कई दर्जन छात्र इस तरह से विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकले। उन्होंने वाटरप्रूफ बूट और टार्चों का इंतजाम पहले ही कर रखा था। कुछ छात्र पानी के तेज बहाव के चलते सीवर के जरिये बाहर निकलने में विफल भी रहे। ऐसे ही एक छात्र बॉवी (21) ने बताया कि सीवर के भीतर भीषण बदबू थी, वहां पर सांप और कॉकरोच थे। वहां पर एक-एक कदम चलना बड़ा मुश्किल था। बाद में सीवर लाइन से निकले सांप परिसर में घूमते देखे गए। पुलिस ने बताया है कि बुधवार को चार लोगों को मेनहोल हटाते हुए गिरफ्तार किया गया है जबकि दो सीवर से बाहर निकलते हुए पकड़े गए। 21 साल के ब्रूटस और उनकी गर्लफ्रेंड अगस्त से ही आंदोलन से जुड़े हैं, वे आंदोलनकारियों के बड़े समूह के नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। ब्रूटस ने कहा, संसाधनों के अभाव और एकजुटता में कमी के चलते आंदोलन कमजोर पड़ रहा है।

सबसे लंबे समय तक जापान के पीएम रहने का रिकॉर्ड एबी शिंजो के नाम

टोक्यो स्थित अपने कार्यालय में बुधवार को मीडिया से बातचीत करते जापान के प्रधानमंत्री शिंजो एबी। पीएम आफिस में उनका 2887 वां दिन था। एपी

टोक्यो, रायटर : आर्थिक चिंताओं और चुनाव के दौरान अनियमितता के आरोपों के बीच जापान के प्रधानमंत्री एबी शिंजो देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक इस पद पर बने रहने वाले व्यक्ति बन गए हैं। एक साल तक प्रधानमंत्री रहने के बाद उन्होंने 2007 में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन दिसंबर, 2012 में उनकी फिर सत्ता में वापसी हुई। तब से वह लगातार पीएम पद पर काबिज हैं। पहले और दूसरे कार्यकाल को मिलाकर एबी को पीएम पद पर 2887 दिन हो गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड पूर्व प्रधानमंत्री तारा कतसूरा के नाम था। वह 1901 से 1913 तक प्रधानमंत्री रहे थे।

दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद से एबी ने छह राष्ट्रीय चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व किया और जीत दर्ज की। एबी को पीएम पद पर रहने के दौरान कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। इसी वर्ष सितंबर में कैबिनेट फेरबदल के बाद उनके दो मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा था। उन पर चुनाव अभियान के दौरान अनियमितता का आरोप था। एबी भले ही किसी गलत काम से इन्कार कर रहे हों, लेकिन 16-17 नवंबर को आशी समाचार पत्र द्वारा कराए गए सर्वे में 68 फीसद लोग उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। उनके समर्थकों की संख्या हालांकि अब भी 44 फीसद बनी हुई है। एबी का यह कार्यकाल 2021 तक है और फिलहाल उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं दिख रहा।

नीदरलैंड्स से ब्रिटेन जा रहे कंटेनर से पकड़े गए 25 शरणार्थी

हेग, एएफपी : नीदरलैंड्स से ब्रिटेन जा रहे एक जहाज के रेफ्रिजरेटेड कंटेनर से 25 शरणार्थी पकड़े गए हैं। ये लोग अवैध तरीके से ब्रिटेन में दाखिल होने की फिराक में थे। पिछले माह ब्रिटेन में एक रेफ्रिजरेटेड ट्रक कंटेनर से 39 शव मिले थे। जांच-पड़ताल में पता चला कि सभी वियतनाम के नागरिक थे।

नीदरलैंड्स के आपातकालीन सेवा विभाग ने बुधवार को यहां बताया कि रोटरडम के नजदीक व्लारदिंगेन बंदरगाह से ब्रिटेन के फेलिक्सस्टोव जा रहे मालवाहक जहाज के रेफ्रिजरेटेड कंटेनर में 25 लोग छिपे बैठे थे। मंगलवार को यह मामला संज्ञान में आने के बाद जहाज को तुरंत वापस नीदरलैंड्स लाया गया। कंटेनर में बंद रहने के कारण दो लोगों की हालत खराब हो गई थी, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाकी लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस को सौंप दिया गया। उनकी नागरिकता को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। शरणार्थियों को जहाज तक पहुंचाने वाले ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। नीदरलैंड्स में ही मंगलवार को एक अन्य घटना में शरण की तलाश में पूर्वी यूरोपीय देश मोल्दोवा से आए 65 लोगों से पूछताछ की जा रही है।

इमरान सरकार चंद दिनों की मेहमान : मौलाना फजलुर

कराची, प्रेट्र : धर्मगुरु से नेता बने मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पर फिर हमला बोला है। जमीयत उलमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआइ-एफ) के नेता मौलाना फजलुर ने कहा है कि सरकार का नेतृत्व कर रहे 'पाकिस्तान के गोर्बाचेव' के पास अब गिनती के दिन बचे हैं। मिखाइल गोर्बाचेव सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति थे।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में मंगलवार को धरना-प्रदर्शन के दौरान मौलाना ने विपक्ष के नेताओं को 'चोर' बताने वाले इमरान खान पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान सरकार ने पीएम इमरान की बहन को राष्ट्रीय सुलह अध्यादेश (एनआरओ) की पेशकश की है। उन्होंने कहा, 'इमरान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) सरकार के दिन लद गए हैं। इस सरकार की जड़ें कट चुकी हैं। उनके पास महज कुछ ही दिन बचे हैं। इमरान की बहन को एनआरओ दिया गया है। हमें भी ऐसी सिलाई मशीन दी जाए जो एक साल में 70 अरब रुपये कमा कर दे सके।' एनआरओ वह अध्यादेश है जिसे भ्रष्टाचार, गबन, मनी लांड्रिंग, हत्या और आतंकवाद के आरोपी नेताओं, राजनीतिक

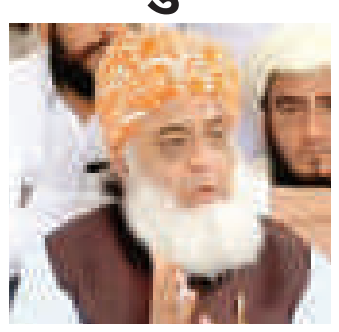

जमीयत उलमा-ए-इस्लाम-फजल के नेता मौलाना फजलुर रहमान। साभार : डान

कार्यकर्ताओं और नौकरशाहों को माफी देने के इरादे से 2007 में लाया गया था। मौलाना फजलुर पीएम इमरान की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने जेयूआइ-एफ के सरकार विरोधी प्रदर्शन को सर्कस बताया था। इमरान ने सोमवार को कहा था कि आजादी मार्च के नाम पर इस्लामाबाद में सर्कस चल रहा है। प्रदर्शनकारी राजधानी में एक महीने भी नहीं टिक सकते जबकि 2014 में हमारी पार्टी का प्रदर्शन 126 दिन चला था।

एयर एंबुलेंस से लंदन पहुंचे शरीफ, डॉक्टरों से ली सलाह

लंदन, प्रेट्र : इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से लंदन पहुचे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ (69) ने बुधवार को यहां हार्ले स्ट्रीट में विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह ली। आइसीयू और ऑपरेशन थिएटर से सुसज्जित शरीफ की एंबुलेंस दोहा और कतर में रुकती हुई मंगलवार शाम को लंदन पहुंच गई थी। यह यात्रा शरीफ के लिए भावनात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पत्नी कुलसुम नवाज के यहां निधन के बाद वह पहली बार लंदन आए हैं।

भाई शाहबाज शरीफ और निजी चिकित्सक अदनान खान के साथ लंदन पहुंचे शरीफ का स्वागत उनके बेटे हुसैन नवाज ने किया। इस दौरान पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के नेता भी मौजूद थे। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, शरीफ यहां अपने बेटे हुसैन नवाज के एवनफील्ड अपार्टमेंट में ठहरेंगे। शरीफ के अमेरिका के बोस्टन स्थित एक चिकित्सक से भी परामर्श लेने की उम्मीद है। जियो न्यूज के मुताबिक शरीफ का शुरुआती इलाज उनके दूसरे बेटे हसन नवाज के फ्लैट में किया जाएगा, जहां उनके लिए एक कमरा आरक्षित कर दिया गया है हार्ले स्ट्रीट क्लीनिक में भी दो डॉक्टर उनके स्वास्थ्य की समीक्षा कर रहे हैं।

आतंकवाद से लड़ाई में दोहरे मानदंड छोड़े दुनिया : भारत

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : भारत ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में दोहरे मानदंडों को दरकिनार कर तनिक भी बर्दाश्त न करने की नीति कायम करने का आह्वान किया है। आतंकवाद के मौजूदा नेटवर्क को खत्म करने के लिए यह आवश्यक है। क्योंकि संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों के बावजूद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद दक्षिण एशिया के बड़े इलाके को अस्थिर करने में लगे हैं। ऐसा वे सीमा पार से मिलने वाले धन और हर तरह के समर्थन के चलते कर पा रहे हैं। सीमा पार से भारत का आशय पाकिस्तान था।

भारत की ओर से यह बात संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत सैयद अकबरुद्दीन ने कही। उन्होंने कहा, हमें इन दिनों सुनने को मिल रहा है कि आतंक और संगठित अपराध को एक साथ पाला-पोसा जा रहा है। दोनों के साथ आने से जो ताकत तैयार होती है वह वैध शासन की ताकत को कम करती है। वह विकास और सामाजिक तानेबाने को हिंसा के इस्तेमाल से कमजोर करती है। संयुक्त राष्ट्र और शंघाई सहयोग संगठन के संयुक्त आयोजन में अकबरुद्दीन ने कहा, आपसी सहयोग से शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। आतंक से संगठित

▸ पाकिस्तान को निशाने पर रखकर भारत का वार

सैयद अकबरुद्दीन। फाइल

अपराध का गठजोड़ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी चुनौती बन गया है। यह दिनों-दिन अपनी ताकत बढ़ा रहा है।

भारतीय राजदूत ने कहा, आतंकवाद के राक्षस से लड़ने के लिए दुनिया को नए तरीके और नई तकनीक तलाशने की जरूरत है। आतंकवाद के खात्मे के लिए हमें वर्चुअल करंसी, आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस और संचार के गोपनीय साधनों को विकसित करने पर जोर देना चाहिए। इन तकनीकों से हम साजिशों तक पहुंच पाएंगे, उन्हें अंजाम देने से रोक पाएंगे।

'युद्ध अपराधियों को ट्रंप की माफी अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ'

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की मानवाधिकार एजेंसी ने युद्ध अपराध के मामलों में तीन अमेरिकी सैनिकों की सजा माफी को अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते सप्ताह दो सैन्य अधिकारियों को माफी दे दी थी, जबकि तीसरे के डिमोशन आदेश को पलट दिया था।

मीडिया में आई खबरों के अनुसार, लेफ्टिनेंट क्लाइंट लॉरेंस को 2013 में निहत्थे अफगान नागरिकों पर गोली चलाने का आदेश देने के मामले में 20 साल जेल की सजा मिली थी। गत शुक्रवार को लॉरेंस की पूरी सजा माफ कर दी गई। मेजर मैथ्यू गोलस्टीन पर 2010 में एक निहत्थे अफगान नागरिक को मौत के घाट उतारने का आरोप है। इस मामले में मैथ्यू पर अगले साल फरवरी में मुकदमा शुरू होने वाला था। जबकि सेना के एक अन्य अधिकारी एडवर्ड गैलघर पर इराक में एक बंधक की हत्या का आरोप था। इस मामले में एडवर्ड को बरी कर दिया गया था, लेकिन उनका डिमोशन कर दिया गया था। ट्रंप ने शुक्रवार को आदेश दिया कि उनकी रैंक को बहाल कर दिया जाए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायोग के प्रवक्ता रूपर्ट कोलविले ने मंगलवार को जेनेवा में कहा, 'इस तरह की माफी से पूरी दुनिया के सैन्य बलों के लिए गलत संदेश गया है। ये तीनों मामले अंतरराष्ट्रीय कानून के गंभीर उल्लंघन में शामिल हैं।'

इजरायल ने सीरिया पर किया बड़ा हमला, 11 लड़ाके ढेर

यरुशलम, एएफपी : इजरायल की सेना ने बुधवार को सीरिया में ईरान और सीरियाई सेना के ठिकानों को निशाना बनाते हुए कई हवाई हमले किए। सीरिया के गृहयुद्ध पर नजर रखने वाली ब्रिटेन स्थित संस्था सीरियन ऑब्जरवेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक इन हमलों में 11 लड़ाके मारे गए। संस्था के मुखिया रामी अब्देल रहमान ने कहा कि मरने वालों में सात विदेशी हैं। हमले में चार नागरिक भी घायल हुए हैं। इजरायल ने यह हमले एक दिन पहले उस पर दागे गए चार रॉकेट के जवाब में किए।

सीरिया में अपने ऑपरेशन के बारे में अक्सर जानकारी नहीं देने वाली इजरायली सेना ने इन हमलों की पुष्टि की है। सैन्य प्रवक्ता जोनाथन कॉनरिकस ने बताया कि बुधवार सुबह किए गए इन हमलों में सैन्य गोदाम सहित एक दर्जन सैन्य स्थलों को निशाना बनाया गया। सबसे महत्वपूर्ण हमला दमिश्क अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्थित एक इमारत पर किया गया, जिसका प्रयोग ईरानी सुरक्षा बल रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ईरान से साजोसामान लाने और सीरिया से सामान भेजने में करता है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कहा, जो भी हमें नुकसान पहुंचाएगा, उसे हम नुकसान पहुंचाएंगे।

▸ इजरायली सेना ने कहा, एक दर्जन सैन्य ठिकानों को बनाया इस हमले का निशाना

इजरायल के कब्जे वाली गोलान पहाड़ियों में सीरियाई सीमा के समीप इजरायली सैनिक तैनात किए गए हैं। (फाइल) एएफपी

सीरिया में 2011 में शुरू हुए गृहयुद्ध के बाद से इजरायल उस पर लगातार हवाई और मिसाइल हमले करता रहता है। मंगलवार को सीरिया से इजरायल की तरफ चार रॉकेट दागे गए थे, जिन्हें उसकी मिसाइल रक्षा प्रणाली ने रास्ते में ही नष्ट कर दिया था। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि यह हाल के वर्षों में ईरानी सुरक्षा बलों द्वारा इजरायल पर किया गया छठा सीधा हमला था।

भारत व सिंगापुर सालाना त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास के लिए सहमत

सिंगापुर, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को सिंगापुर के अपने समकक्ष नग इंग हेन के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बातचीत के दौरान दोनों नेता अगले साल से सिंगापुर, भारत और थाइलैंड की भागीदारी वाले त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास पर सहमत हुए।

हिंद-प्रशांत समुद्री जलमार्ग की हिफाजत के तहत पहला सिंगापुर-भारत-थाइलैंड समुद्री अभ्यास (सिटमेक्स) सितंबर में अंडमान सागर में हुआ था। भारत-सिंगापुर के रक्षा मंत्रियों की चौथी वार्ता (डीएमडी) के समापन अवसर पर घोषणा करते हुए सिंह ने कहा, 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र हमारे लिए महत्वपूर्ण है और हम अपने 'सागर' (क्षेत्र में सबके लिए सुरक्षा और विकास) सिद्धांत के तहत क्षेत्र में अपनी समुद्री भागीदारी को आगे बढ़ाना चाहते हैं।'

'सिटमेक्स' अभ्यास, संपर्क की समुद्री लाइन को खोलने और उनके बीच आवाजाही को मजबूत करने में साथ काम करने के लिए तीनों देशों की साझा जिम्मेदारी पर जोर देता है। बैठक के बाद इंग हेन ने मीडिया से कहा कि भारत, सिंगापुर और थाइलैंड की

▸ भारत-सिंगापुर-थाइलैंड के बीच सितंबर में अंडमान सागर में हुआ अभ्यास

राजनाथ सिंह। फाइल

नौसेना के बीच अभ्यास से समुद्री जलमार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और यह बहुत महत्वपूर्ण संकेत है।

बैठक में दोनों देशों के बीच ओडिशा में चांदीपुर एकीकृत परीक्षण रेंज के इस्तेमाल को लेकर आशय पत्र का आदान-प्रदान हुआ और मानवीय सहायता तथा आपदा राहत

▸ चांदीपुर से सिंगापुर के सशस्त्र बलों के मिसाइल परीक्षण पर भी समझौता

द्वितीय विश्वयुद्ध के शहीदों को दी श्रदांजलि

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह क्रांजी युद्ध स्मारक भी गए और वहां द्वितीय विश्व युद्ध में सिंगापुर और मलय की जापानी हमले से सुरक्षा करते हुए शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। इस लड़ाई में भारत, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, मलय, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के जवान शहीद हुए थे।

(एचएडीआर) सहयोग प्रगाढ़ करने पर सहमति बनी। इसके तहत राजनाथ सिंह ने सिंगापुर को भारत में आगामी रक्षा औद्योगिक गलियारे में अनुसंधान, विकास और अभ्यास सुविधाओं में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इंग हेन संयुक्त तालमेल के लिए अवसरों को तलाशने पर सहमत हुए।

'जो सुन रहा था, उस पर सहसा विश्वास नहीं हुआ'

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की जारी प्रक्रिया में बुधवार को व्हाइट हाउस में तैनात सैन्य अधिकारी ने संसदीय जांच समिति के समक्ष गवाही दी। यह पहला मौका था जब राष्ट्रपति कार्यालय में तैनात किसी अधिकारी ने गवाही दी हो। लेफ्टिनेंट कर्नल एलेक्स विंडमैन ने कहा कि फोन पर ट्रंप और उनके यूक्रेनी समकक्ष की बातचीत सुनने पर उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि अमेरिकी राष्ट्रपति इस तरह की बात कह सकते हैं। यूक्रेन को लेकर हमारी नीति का क्या होगा। विंडमैन को यूक्रेन मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है। सेना की वर्दी में आए लेफ्टिनेंट कर्नल विंडमैन ने कहा कि 25 जुलाई को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से अनुचित और असामान्य मांग की थी। इस मांग में ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी उप राष्ट्रपति जो बिडेन के खिलाफ 2015 में दी गई अमेरिकी सैन्य सहायता मामले की जांच कराने को कहा था। इस जांच में हुई गड़बड़ी के लिए बिडेन पर अंगुलियां उठी थीं। बिडेन 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के खिलाफ विपक्षी उम्मीदवार हो सकते हैं। विंडमैन ने कहा, दोनों नेताओं की टेलीफोन पर बातचीत सुनकर वह सन्न रह गए। उन्हें सहसा विश्वास नहीं हुआ कि वह जो सुन रहे हैं सही है।

सऊदी अरब में तीन हजार सैनिक तैनात कर रहे ट्रंप

वाशिंगटन, एएनआइ : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी संसद को औपचारिक तौर पर सूचित किया है कि सऊदी अरब में तीन हजार सैनिकों की तैनाती की जा रही है। गत सितंबर में सऊदी अरब के तेल संयंत्रों पर ड्रोन से किए गए हमले के बाद अमेरिका ने इस खाड़ी देश की सुरक्षा मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती का एलान किया था। अमेरिका और सऊदी अरब ने इस हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया था। अमेरिकी संसद को लिखे ट्रंप के इस पत्र में कहा गया है, 'पश्चिम एशिया में अमेरिकी हितों की सुरक्षा के लिए सैन्य बलों को तैनात किया जा रहा है। क्षेत्र में ईरान और उसके छद्म बलों के कृत्यों के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाई गई है।'

रणनीति

रानिल विक्रमसिंघे ने इस्तीफा देने की घोषणा की, महिंदा राजपक्षे आज लेंगे शपथ

गोतबाया ने भाई महिंदा को पीएम नामित किया

कोलंबो, प्रेट्र

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने बड़े भाई महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नामित कर दिया। महिंदा राजपक्षे को गुरुवार को शपथ दिलाई जाएगी। चुनाव में हार के चलते प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने बुधवार को इस्तीफे की घोषणा कर दी। विक्रमसिंघे के औपचारिक रूप से पद छोड़ने के बाद महिंदा राजपक्षे पद संभाल लेंगे। हाल में हुए राष्ट्रपति चुनाव में गोतबाया ने सजिथ प्रेमदासा को हराया था।

'कोलंबो गजट' अखबार के मुताबिक, विक्रमसिंघे ने मंगलवार को राष्ट्रपति राजपक्षे से मुलाकात की। विक्रमसिंघे ने कहा, संसद में उनकी सरकार को अभी भी बहुमत हासिल है, लेकिन उन्होंने राजपक्षे को मिले जनादेश का सम्मान करते हुए पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। राष्ट्रपति चुनाव में राजपक्षे की जीत के बाद विपक्षी खेमे से उनके इस्तीफे को लेकर दबाव बनाया जा रहा था। विक्रमसिंघे 1994 से यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के नेता हैं और श्रीलंका के तीन बार प्रधानमंत्री रहे हैं।

राजपक्षे ने पाक का आमंत्रण स्वीकारा

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा पाक आने का आमंत्रण श्रीलंका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने स्वीकार कर लिया है। खान ने मंगलवार को राजपक्षे से फोन पर बात की थी और उन्हें चुनाव जीतने पर बधाई देने के साथ ही पाकिस्तान आने का निमंत्रण दिया था। गोतबाया राजपक्षे राष्ट्रपति 29 नवंबर को भारत आ रहे हैं।

गोतबाया राजपक्षे और महिंदा राजपक्षे। फाइल

24 साल की उम्र में सांसद बने थे महिंदा : तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाल सिरिसेन ने विक्रमसिंघे को बर्खास्त करते हुए 26 अक्टूबर 2018 को महिंदा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। उनके इस कदम के बाद देश में असाधारण संवैधानिक संकट खड़ा हो गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राजपक्षे ने इस्तीफा दे दिया था। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने बाद में सिरिसेन के संसद भंग करने के निर्णय को भी अवैध ठहराया था। महिंदा 2005 में चुनाव जीते थे और लगातार दस साल राष्ट्रपति रहे। वह 24 साल की उम्र में 1970 में देश के सबसे युवा सांसद बन गये थे।

साल के अंत तक आतंकियों को उनके देश भेज देगा तुर्की

अंकारा, रायटर : तुर्की के गृह मंत्री सुलेमान सोयलू ने कहा है कि जेल में बंद इस्लामिक स्टेट (आइएस) के ज्यादातर आतंकियों को इस साल के अंत तक उनके मूल देश वापस भेज दिया जाएगा। आतंकियों को वापस भेजने के लिए पिछले हफ्ते शुरू की गई प्रक्रिया को और तेज किया जाएगा। देश की सीमा से लगते सीरिया के उत्तरपूर्वी हिस्से पर कब्जे के बाद तुर्की की जेल में सैकड़ों आतंकी बंद हैं।

सोयलू ने मंगलवार को बताया कि इस हफ्ते आइएस के छह-सात आतंकियों को आयरलैंड और नीदरलैंड्स वापस भेजा जाएगा। आतंकियों को उनके मूल देश वापस भेजने की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को एम्सटर्डम एयरपोर्ट पर आइएस से जुड़ी दो महिलाओं को नीदरलैंड्स के हवाले किया गया। एक-एक बच्चे की मां 23 व 25 साल की इन महिलाओं को शुक्रवार को नीदरलैंड्स की अदालत में पेश किया जाएगा। तुर्की अभी तक जर्मनी के दस और अमेरिका और ब्रिटेन के एक-एक नागरिकों को वापस भेज चुका है।

कॉर्बिन के बराबर ही जॉनसन को नापसंद करते हैं भारतीय

लंदन, प्रेट्र : भारतीय मूल के ब्रिटिश मतदाता कंजरवेटिव पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और विपक्षी लेबर पार्टी के नेता जेरेमी कॉर्बिन को लगभग समान रूप से ही नापसंद करते हैं। पूर्व के अनुभवों के आधार पर यदि उन्हें जॉनसन नापसंद हैं तो हाल के जेरेमी के भारत विरोधी रुख के चलते वह भारतीय मूल के लोगों के निशाने पर आ गए हैं। यह बात 12 दिसंबर के चुनाव से पहले हुए सर्वे में सामने आई है।

चुनाव से पूर्व टेलीविजन पर हुई पहली बहस में दोनों नेता करीब बराबर पर नजर आए। लेकिन बहस के आखिर में जॉनसन मामूली बढ़त लेकर आगे रहे। इसके बाद भारतीय मूल के मतदाताओं के बीच हुए सर्वे में 53 प्रतिशत ने कॉर्बिन को लेकर अपनी नापसंदगी जाहिर की। जबकि इससे 61 भारतीय जॉनसन को नहीं चाहते। जबकि कॉर्बिन को चाहने वाले 28 प्रतिशत भारतीय हैं, जबकि जॉनसन के पक्ष में 23 प्रतिशत।

यह सर्वे यूगव नाम के मीडिया हाउस ने करवाया है। विश्लेषकों के अनुसार जम्मू-

▸ चुनाव से पहले भारतीय मतदाताओं की रायशुमारी

▸ पूर्व के अनुभवों के आधार पर जॉनसन तो हाल के अनुभव पर जेरेमी नापसंद

कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद जेरेमी कॉर्बिन का भारत विरोधी रुख उनके खिलाफ जा रहा है। उन्होंने संसद में प्रस्ताव पारित करवाकर भारत के कदम को निंदा की थी।

इसी के बाद भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिकों के बीच उनकी छवि बिगड़ गई। कॉर्बिन ने उसकी भरपाई की कोशिश भी की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। ज्यादातर भारतीय मानते हैं कि अगर कॉर्बिन की सरकार बनी तो ब्रिटेन के भारत के साथ संबंध खराब होंगे जबकि जॉनसन की सरकार में संबंधों की बे

सिटी ऑफ जॉय नहीं, पिंक सिटी कहिए जनाब

- शुक्रवार से शुरू होगा डे-नाइट टेस्ट
- टेस्ट के लिए गुलाबी हुआ कोलकाता

अभिषेक त्रिपाठी • कोलकाता

सिटी ऑफ जॉय नहीं, अब इसे पिंक सिटी कहिए जनाब क्योंकि खुशियों का शहर कोलकाता कुछ दिनों के लिए गुलाबी हो गया है। ईडन गार्डेंस ही नहीं, आसपास के क्लबों, स्मारकों और बड़ी-बड़ी इमारतों को भी गुलाबी रोशनी से सराबोर कर दिया गया है। गली-गली में पुचका (गोलगप्पे), झालमूड़ी और सिंघाड़ा (समोसे) बेचने वालों के साथ-साथ रसोगुल्ला (रसगुल्ला) की दुकानों और यहां की प्रचलित पीली टैक्सी चलाने वाले ड्राइवरों के बीच सिर्फ एक ही चर्चा है और वह है शुक्रवार से गुलाबी गेंद से भारत और बांग्लादेश के बीच होने वाला टेस्ट मैच।

जहां भारत और बांग्लादेश की टीम के सदस्य बुधवार को गुलाबी गेंद से खेलने का अभ्यास करते रहे तो बीसीसीआइ के अध्यक्ष सौरव गांगुली मुख्य पिच को निहारकर तैयारियों का जायजा लेते रहे। भारतीय टीम के मैदान में घुसने से पहले ही सैकड़ों प्रशंसक ईडन के बाहर जमा थे और उनके शोर से यह समझने में कोई दिक्कत नहीं हुई कि भारत में होने वाला पहला डे-नाइट टेस्ट इतिहास रचने जा रहा है। कोलकाता टेस्ट के शुरुआती तीन दिन के सारे टिकट बिक चुके हैं और चौथे दिन के टिकट भी जल्द ही खत्म हो जाएंगे। जिनको टिकट मिल गए हैं वे खुश हैं और जिनको नहीं मिले हैं वे जुगाड़ में जुटे हैं।

गुलाबी ईडन: 1987 विश्व कप फाइनल और 2016 टी-20 विश्व कप फाइनल सहित दर्जनों ऐतिहासिक मैच आयोजित करने वाला ईडन गार्डेंस स्टेडियम भारत का पहला डे-नाइट टेस्ट आयोजित करने जा रहा है। खास बात यह है कि भारतीय टीम भी पहली बार डे-नाइट टेस्ट खेलेगी। उसे पिछले साल एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुलाबी गेंद से खेलना था, लेकिन उसने इन्कार कर दिया था। बांग्ला खेल पत्रकार संदीपन बनर्जी ने कहा कि इस शहर के लोगों को हर काम पहले करने में मजा आता है। आज भी यहां के लोग खुश होकर बताते हैं कि भारत में सबसे पहला मेडिकल कॉलेज यहां बना और सबसे पहली मेट्रो यहां चली। अब हम लोग गर्व से कहेंगे कि भारत में पहला डे-नाइट टेस्ट कोलकाता में आयोजित हुआ।

गुलाबी रंग का प्रयोग: ईडन के अंदर सिर्फ गेंद ही गुलाबी नहीं होगी, बल्कि दर्शक दीर्घा के खंभों को भी गुलाबी कपड़े से सजाया गया है। दर्शक दीर्घा में विशेष गुलाबी रोशनी का इंतजाम किया गया है। स्कोर बोर्ड में नाम काले की जगह गुलाबी रंग से लिखे जाएंगे। मैदान में लगी बड़ी स्क्रीन को चारों तरफ से गुलाबी विज्ञापन से सजाया गया है। मैदान के अंदर जो भी विज्ञापन लगेंगे उनमें अधिकतर का बेस भी गुलाबी ही रहेगा। ईडन के बाहर और अंदर इंडियन आर्ट कॉलेज के बच्चों ने पेंटिंग बनाई है। मैदान का बाहरी हिस्सा गुलाबी रोशनी से जगमगा रहा है। मैदान के अंदर एक बहुत बड़ा गुलाबी गुब्बारा लगाया गया है जो दूर से ही दिखाई देता है। यह मैच के खत्म होने तक लगा रहेगा।

शहर भी हुआ गुलाबी: भारत और बांग्लादेश मैच के लिए विशेष तौर पर पिंकू-टिंकू मस्कट बनाए गए हैं जो पूरे शहर में घूम-घूमकर इस मैच का प्रचार कर रहे हैं। शहर में दर्जनों बिलबोर्ड लगाने के साथ छह एलईडी बोर्ड लगाए गए हैं जिसमें मैच के बारे में बताया जा रहा है। यही नहीं, कई सरकारी बसों में भी डे-नाइट टेस्ट का प्रचार किया जा रहा है और उसका अच्छा रिस्पांस भी मिला है। कोलकाता की सबसे बड़ी इमारत 'द 42', शहीद मीनार और कुछ पार्कों को भी गुलाबी रोशनी से सराबोर किया गया है। 16 नवंबर से मैच खत्म होने तक शाम को गंगा नदी में हावड़ा ब्रिज से विद्यासागर सेतु तक कुछ नावों में गुलाबी रोशनी का प्रयोग करके इस मैच का प्रचार किया जा रहा है। कुछ मिठाई की दुकानों में गुलाबी रंग की मिठाइयां बनाई गई हैं, जबकि धर्मतल्ला के पास विधान चंद्र राय मार्केट के पास जर्सी बाजार में गुलाबी रंग की जर्सियां बिक रही हैं।

यहां खेला जा चुका है गुलाबी गेंद से मैच: एशिया का पहला पिंक बॉल मैच ईडन गार्डेंस में कोलकाता सुपर लीग में खेला गया था। 2016 में यहां चार दिवसीय फाइनल मैच मोहन बागान और भवानीपुर के बीच हुआ था। शमी और रिद्धिमान साहा उसमें खेले थे। उस मुकाबले में शमी ने पांच विकेट लिए थे। यही नहीं, 2016 में ही ग्रेटर नोएडा के स्पोर्ट्स कांपलेक्स में 23 अगस्त से 14 सितंबर के बीच दलीप ट्रॉफी के चार डे-नाइट मैच गुलाबी गेंद से खेले गए थे। वर्तमान भारतीय टीम में शामिल कुलदीप यादव, मयंक अग्रवाल, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा उस सीरीज में खेले थे। मयंक ने उसमें शतक भी लगाया था।

मैच का समय

- **22 नवंबर** को दोपहर 12.30 पर टॉस होगा
- **1.00 बजे से** मैच शुरू होगा और पहला सत्र 03 बजे तक चलेगा
- **03.00 बजे से** 03.40 तक भोजनकाल होगा
- **3.40 बजे से** 05.40 तक दिन का दूसरा सत्र होगा
- **05.40 बजे से** 6.00 बजे तक 20 मिनट का चायकाल होगा
- **6.00 बजे से** 8.00 बजे तक तीसरा सत्र खेला जाएगा

क्यों अलग है डे-नाइट टेस्ट

- पहली बार भारत में दूधिया रोशनी में खेला जाएगा टेस्ट मैच
- अब तक सिर्फ 11 डे-नाइट टेस्ट मैच पूरी दुनिया में खेले गए हैं
- भारत व बांग्लादेश दोनों टीमें पहली बार डे-नाइट टेस्ट मैच खेलेंगी
- इसमें लाल की जगह गुलाबी गेंद से खेला जाता है मैच
- एसजी की गुलाबी गेंद का पहली बार डे-नाइट टेस्ट में प्रयोग होगा। इससे पहले जो भी डे-नाइट टेस्ट हुए हैं उसमें कूकाबुरा और ड्यूक गेंद का इस्तेमाल हुआ
- भारत की वर्तमान टीम में सिर्फ कुलदीप, मयंक, रोहित, जडेजा, रिद्धिमान और शमी इससे पहले गुलाबी गेंद से प्रथम श्रेणी और क्लब स्तरीय मैच खेल चुके हैं
- सौरव गांगुली के बीसीसीआइ अध्यक्ष बनने के कारण यह संभव हो सका
- गांगुली 2016 में बीसीसीआइ की तकनीकि समिति के प्रमुख थे, तभी दलीप ट्रॉफी गुलाबी गेंद से खेली गई थी
- इसके जरिये टेस्ट मैचों में दर्शकों की वापसी होगी क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में मैदानी दर्शक टेस्ट क्रिकेट से दूर हुए हैं

गुलाबी गेंद से डे-नाइट टेस्ट

- भारत में होने वाले ऐतिहासिक टेस्ट का आयोजन 22-26 नवंबर तक कोलकाता के ईडन गार्डेंस में होगा
- 22 तारीख को बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी घंटा बजाकर मैच शुरू करने की घोषणा करेंगी
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा सचिन तेंदुलकर, महेंद्र सिंह धौनी, बीसीसीआइ के वर्तमान और पूर्व अधिकारी, विश्वनाथन आनंद, पुलेला गोपीचंद, पीवी सिंधू, एमसी मेरी कॉम, सानिया मिर्जा के भी पहले दिन का मैच देखने की संभावना है
- भारत और बांग्लादेश के बीच हुए पहले टेस्ट मैच की टीमों में शामिल खिलाड़ियों को मैच से पहले सम्मानित किया जाएगा

आशा करता हूं कि यह उस चीज की नई शुरुआत हो, जहां हम मैदान पर ज्यादा से ज्यादा लोग देखें व टेस्ट क्रिकेट को अपना श्रेय मिले। समय में बदलाव से निश्चित ही लोग काम खत्म करने के बाद मैच देख सकते हैं। **आर अश्विन**

गुलाबी गेंद के कारण मध्य का सत्र बल्लेबाजों के लिए काफी अहम होगा, आमतौर पर टेस्ट में सुबह का सत्र अहम माना जाता है। **मुहम्मद शमी**, भारतीय तेज गेंदबाज

कोलकाता में डे-नाइट टेस्ट को यादगार बनाने के लिए गुलाबी रंग का गुब्बारा भी लगाया गया है • प्रेट्र

बल्लेबाज और गेंदबाज, दोनों के अनुकूल होगा विकेट: क्यूरेटर

खेल संवाददाता, कोलकाता: ईडन गार्डेंस स्टेडियम के क्यूरेटर सुजन मुखर्जी ने कहा कि ऐतिहासिक डे-नाइट टेस्ट मैच के लिए उन्होंने जो विकेट तैयार किया है, वह बल्लेबाज और गेंदबाज, दोनों के अनुकूल होगा। जो भी अच्छी बल्लेबाजी या गेंदबाजी करेगा, उसे सफलता जरूर मिलेगी। पिछले डे-नाइट टेस्ट मैचों की तरह कोलकाता टेस्ट के भी पांच दिनों तक नहीं चलने की जताई जा रही संभावना पर क्यूरेटर ने कहा, 'किसी भी टेस्ट मैच का पांच दिनों तक चलना या न चलना खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। इससे विकेट का कोई लेना-देना नहीं है। वे अगर ठीक से खेलेंगे तो मैच पांच दिनों तक जरूर चलेगा। सुजन ने यह जरूर कहा कि शाम को ओस गिरने के बाद विकेट का चरित्र थोड़ा बदल सकता है।

चोट के चलते दूसरे टेस्ट से हटे हसन

कोलकाता: बांग्लादेश के रिजर्व ओपनर सैफ हसन बुधवार को अंगुली में चोट के कारण भारत के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। 21 साल के हसन इंदौर में पहले टेस्ट के दौरान स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक के तौर पर अंगुली में चोट लगा बैठे थे। इस बल्लेबाज के ईडन गार्डेंस में ऐतिहासिक गुलाबी गेंद के टेस्ट में पदार्पण करने की उम्मीद थी क्योंकि नियमित सलामी बल्लेबाज शादमान इस्लाम और इमरूल कायस शुरुआती टेस्ट में अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर सके थे।

डूबते सूरज और चढ़ती दूधिया रोशनी में अभ्यास

अभिषेक त्रिपाठी • कोलकाता

अमूमन टेस्ट मैच में पहला सत्र अहम होता है, लेकिन डे-नाइट टेस्ट मैच में दूसरा सत्र यानी भोजनकाल के बाद का समय काफी अहम होता है, क्योंकि यह वह समय होता है जब सूरज डूब रहा होता है, गुलाबी गेंद पुरानी हो रही होती है और फ्लड लाइट जलना शुरू होती हैं। ऐसे में गेंद की चमक खोती है और रोशनी अजीब स्थिति में होती है। इस दौरान बल्लेबाज को सामंजस्य बैठाना मुश्किल होता है और इस समय गेंदबाज के लिए विकेट लेना आसान होता है। यही कारण है कि बुधवार को भारतीय बल्लेबाजों और खासकर कप्तान विराट कोहली ने उस समय ही अभ्यास किया जब सूरज डूब रहा था और फ्लड लाइट जलना शुरू हुईं। विराट ने उस समय विशेष तौर पर मुहम्मद शमी को नेट पर गेंदबाजी के लिए लगाया और गुलाबी गेंद के सामने बल्लेबाजी की। शमी इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उनकी गेंदबाजी में तेजी भी है।

भारत और बांग्लादेश की टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला इंदौर में हुआ था, जिसे मेजबान टीम ने तीन दिनों में ही पारी और 130 रनों से जीत लिया था। दोनों टीमों ने इंदौर में भी गुलाबी गेंद से अभ्यास किया था, लेकिन बुधवार को ईडन गार्डेंस में दोनों टीमों ने निर्धारित समय से एक घंटे ज्यादा तक अभ्यास किया, जो बताता है कि उनमें इस मैच को लेकर कितनी हिचक है। खास बात यह रही कि बांग्लादेश ने सुबह अभ्यास किया, जबकि भारतीय टीम ने दूधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से अभ्यास किया, जिससे उसे मैच की परिस्थितियों का भी अंदाजा लग गया।

भारतीय बल्लेबाज नजर आए असहज: ईडन गार्डेंस की पिच आम भारतीय टेस्ट पिच से अलग होगी। भारत में टेस्ट में अधिकतर स्पिनरों के मुफीद पिच दिखाई देती है, लेकिन गुलाबी गेंद के कारण यहां पर पिच पर घास होगी। अगर पिच खुदड़ी होगी तो गुलाबी गेंद जल्दी पुरानी और गंदी हो जाएगी, जिसको दूधिया रोशनी में खेलने और फेंकने दोनों में दिक्कत होगी। 2015 में एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच हुए पहले डे-नाइट टेस्ट में पिच पर 11 मिलीमीटर घास छोड़ी गई थी, लेकिन ईडन में यह छह सेंटीमीटर तक हो सकती है। ऐसे में तेज गेंदबाजों के लिए यह टेस्ट फायदेमंद होगा, लेकिन स्पिनरों के साथ बल्लेबाजों को काफी जोर लगाना होगा। इसी को देखते हुए बुधवार को भारतीय बल्लेबाजों ने जमकर अभ्यास किया। हालांकि, कई ऐसे मौके आए जब भारतीय बल्लेबाज असहज भी नजर आए।

क्रॉस सीम से गेंदबाजी: इसमें कोई शक नहीं है कि डे-नाइट टेस्ट मैच खिलाड़ियों खासकर बल्लेबाजों और स्पिनरों की कड़ी परीक्षा लेगा और यही कारण है कि भारतीय टीम ने कुछ अलग तरह से अभ्यास भी किया। भारतीय टीम करीब साढ़े तीन बजे अभ्यास के लिए मैदान में आई और फुटबॉल खेलने, ड्रिलिंग करने व दौड़ लगाने के बाद शाम चार बजे नेट अभ्यास शुरू हुआ। साढ़े चार बजे फ्लड लाइट जल गईं थीं और मैदान में धुंध भी दिखाई देने लगी। इसी को देखते हुए दायें हाथ के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और बायें हाथ के आर्थोडॉक्स स्पिनर रवींद्र जडेजा ने क्रॉस सीम से नेट पर गेंदबाजी की। अश्विन तो कभी-कभी क्रॉस सीम से गेंदबाजी करते हैं, लेकिन जडेजा सीम पकड़कर ही गेंदबाजी करते हैं। चूंकि यह मैच दिन-रात का होगा ऐसे में ओस पड़ने के कारण गेंद पकड़ने में दिक्कत होगी। यही नहीं, हाथ से सिलाई होने के कारण इसकी सीम उभरी हुई है और ऐसे में क्रॉस सीम से गेंदबाजी करने पर बल्लेबाज को दूधिया रोशनी में गेंद मुश्किल से दिखाई देगी। इसी को देखते हुए भारत के दोनों स्पिनरों ने नए तरीके से अभ्यास किया। यही नहीं, ऑलराउंडर हनुमा विहारी भी ऐसा ही करते नजर आए। अभ्यास को देखकर लग रहा है कि कलाई के स्पिनरों को इन परिस्थितियों में फायदा मिलने की संभावना के बावजूद विराट अगले टेस्ट में अश्विन और जडेजा की जोड़ी के साथ ही उतर सकते हैं। ऐसे में कलाई के स्पिनर कुलदीप को शायद बाहर ही बैठना पड़ सकता है, जबकि परिस्थितियां उन्हीं के मुफीद हैं।

गांगुली और शास्त्री का पिच दर्शन: भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के अध्यक्ष सौरव गांगुली और टीम इंडिया के कोच रवि शास्त्री के बीच भले ही छत्तीस का आंकड़ा हो लेकिन दोनों बुधवार को जैसे ही ईडन गार्डेंस में घुसे सबसे पहले पिच देखने के लिए पहुंचे। हालांकि, ये दोनों अलग-अलग समय पर आए और उसके बाद पिच क्यूरेटर से काफी देर तक बातचीत की।

बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय कप्तान विराट कोहली • एएफपी

अंपायर रवि ने डे-नाइट टेस्ट में खुद को बदला था

कोलकाता, प्रेट्र: एलीट पैनल में एकमात्र भारतीय अंपायर एस रवि को 2015 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच डे-नाइट के पहले टेस्ट में अपने सोने की आदतों में बदलाव करना पड़ा था।

चार साल पहले एडिलेड में गुलाबी गेंद से पहले टेस्ट में अंपायरिंग करने वाले रवि ने काफी तैयारी की थी। इस दौरान वह देर से सोते और देर से उठते थे, ताकि उनका शरीर बदले समय के अनुसार खुद को ढाल सके। रवि ने दो महीने पहले दुबई में आइसीसी की कार्यशाला में भाग लिया और बाद में पर्थ में न्यूजीलैंड और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया एकादश के बीच दो दिवसीय अभ्यास मैच में अंपायरिंग की।

रवि ने कहा, 'गुलाबी गेंद से टेस्ट में अंपायरिंग करना लगातार पांच वनडे में अंपायरिंग करने जैसा है। ऐसे में तैयारी भी उसी तरह की होनी चाहिए। मैं देर से सोता था और देर से उठता था। मैच 10-10:30 बजे तक चलता था और होटल में आकर सोने में काफी देर हो जाती थी। मैंने देर से सोने की आदत डाली। किसी भी टेस्ट से पहले नर्वसनेस होती है। मैं काफी उत्साहित था।'

ये मैच हो जाए फिर एडिलेड के बारे में बात करेंगे : गांगुली

विशेष संवाददाता, कोलकाता: भारत अपना पहला डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने को तैयार है। बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली इस मैच के लिए काफी उत्साहित हैं। इस अहम मैच में सभी कुछ अच्छा हो, इसकी पूरी जिम्मेदारी गांगुली ने ले रखी है और वह हर चीज पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं।

गांगुली ने ईडन गार्डेंस स्टेडियम की पिच का मुआयना करने के बाद कहा कि मैच के शुरुआती चार दिनों के टिकट काफी पहले ही बिक चुके हैं। पिच शानदार लग रही है। मैं काफी उत्साहित हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या अब अगले साल भारतीय टीम एडिलेड में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट खेलेगी तो उन्होंने कहा कि पहले इस ब्रिज को पार कर लें फिर उसके बारे में बात करेंगे। मालूम हो कि भारत ने अभ्यास की कमी के कारण पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में डे-नाइट टेस्ट खेलने से इन्कार कर दिया था। गांगुली ने कहा कि आपने आखिरी टेस्ट मैच कौनसा देखा था जिसमें शुरुआती चार दिनों के सभी टिकट बिक गए थे। आप भारतीय क्रिकेट के दिग्गजों को खाली स्टैंड में नहीं देख सकते। यहां शुरुआती तीन दिन आपको फुल हाउस देखने को मिलेगा। गांगुली के बीसीसीआइ अध्यक्ष बनने के बाद भारत के गुलाबी गेंद से खेलने का रास्ता साफ हुआ है। उन्होंने कहा था कि कप्तान विराट कोहली इसके लिए सिर्फ तीन सेकेंड में मान गए थे। गांगुली ने कहा, 'कोहली महान बल्लेबाज हैं और उन्हें भरे हुए स्टेडियम में खेलना चाहिए। वह फुल हाउस देखकर खुश होंगे।'

पिच देखते हुए सौरव गांगुली • एएफपी

सूर्यास्त के बाद गुलाबी गेंद को खेलना होगा चुनौतीपूर्ण : विटोरी

विशेष संवाददाता, कोलकाता: बांग्लादेश के स्पिन गेंदबाजी सलाहकार डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया है कि यहां जल्दी सूर्यास्त होने से भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे डे-नाइट के ऐतिहासिक टेस्ट में उनके बल्लेबाजों के लिए चुनौती कड़ी होगी। भारत के कुछ खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में गुलाबी गेंद से खेला है, लेकिन बांग्लादेश ने सिर्फ एक बार 2013 में डे-नाइट का एक चार दिवसीय मैच खेला है। उसमें मौजूदा टीम का कोई भी सदस्य नहीं था।

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान विटोरी ने कहा, 'मेरा मानना है कि गुलाबी गेंद दिन के समय सामान्य है, लेकिन चुनौती यह होगी कि दूधिया रोशनी में कितना खेल होता है। यहां सूर्यास्त जल्दी होता है, शायद 4.30 पर। ऐसे में गुलाबी गेंद को खेलना चुनौतीपूर्ण होगा। मैंने कभी डे-नाइट टेस्ट खेला नहीं है, लेकिन टीवी पर देखा है। ढलते सूरज की रोशनी में खेलना मुश्किल होता है। यह मैच का ऐसा समय होगा जब दोनों टीमें प्रयोग करेंगी। आखिरी डेढ़ घंटा रोचक होगा।'

रोहित को आराम व धवन पर होगी नजर

विशेष संवाददाता, कोलकाता: वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का चयन होगा तो उप कप्तान रोहित शर्मा के कार्यभार प्रबंधन और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की खराब फॉर्म पर चर्चा हो सकती है।

एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता में चयन समिति की यह आखिरी बैठक होगी, क्योंकि उनका और मध्य क्षेत्र के चयनकर्ता गगन खोड़ा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। सब ठीक रहने पर रोहित को तीन मैचों की सीरीज से विश्राम दिया जाएगा, ताकि वह अगले साल न्यूजीलैंड दौरे पर तरोताजा रहें। भारत व न्यूजीलैंड के बीच पांच टी-20, तीन वनडे व दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। रोहित ने इस साल आइपीएल समेत 60 प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। इस साल वह 25 वनडे, 11 टी-20 खेल चुके हैं जो कप्तान विराट कोहली से तीन वनडे व चार टी-20 अधिक हैं। विराट को दो बार आराम दिया जा चुका है।

धवन की फॉर्म पर भी चर्चा होगी, जो विश्व कप से चोट के कारण बाहर होने के बाद से फॉर्म में नहीं है। टेस्ट क्रिकेट में मयंक अग्रवाल की शानदार फॉर्म और लिस्ट-ए में 50 से अधिक की औसत के कारण उन्हें तीसरे सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया जा सकता है। धवन ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी-20 मैचों में 41, 31 और 19 रन बनाए। लय हासिल करने के लिए उन्होंने घरेलू क्रिकेट भी खेला, लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना सके। वहीं, अग्रवाल ने बांग्लादेश के खिलाफ इंदौर टेस्ट में दोहरा शतक बनाया। युवा विकेटकीपर रिषभ पंत की लगातार खराब फॉर्म पर भी बात की जाने की संभावना है। महेंद्र सिंह धौनी ने अभ्यास शुरू कर दिया है और पंत टीम में जगह नहीं बना पाते हैं तो उन्हें 38 वर्ष के इस धुरंधर से प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। हार्दिक पांड्या, बुमराह, नवदीप सैनी और भुवनेश्वर चोटों से जूझ रहे हैं, लिहाजा शिवम दुबे और शार्दुल ठाकुर का बने रहना तय है। स्पिन हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर और क्रुणाल पांड्या भी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं। ऐसे में युजवेंद्रा सिंह चहल और रवींद्र जडेजा के खेलने पर इनमें से एक को बाहर किया जा सकता है। दीपक चाहर तेज आक्रमण की अगुआई करेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज के लिए आज होगा भारतीय टीम का चयन

भारत बनाम वेस्टइंडीज

मैच	स्थान	तारीख
पहला टी-20	मुंबई	6 दिसंबर
दूसरा टी-20	तिरुवनंतपुरम	8 दिसंबर
तीसरा टी-20	हैदराबाद	11 दिसंबर
पहला वनडे	चेन्नई	15 दिसंबर
दूसरा वनडे	विशाखापत्तनम	18 दिसंबर
तीसरा वनडे	कटक	22 दिसंबर

शिखर धवन • फाइल फोटो, रायटर

शमी किसी भी पिच गेंद से खतरनाक : साहा

विशेष संवाददाता, कोलकाता: भारतीय विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने बुधवार को गुलाबी गेंद के गेंदबाजों के लिए चुनौती होने की चिंताओं को खारिज किया। साहा ने कहा कि मुहम्मद शमी जैसे गेंदबाजों पर भरोसा किया जा सकता है कि गेंद का रंग या विकेट की प्रकृति कैसी भी हो वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

इंदौर में पहले टेस्ट में बांग्लादेश पर भारत की पारी और 130 रन की जीत के दौरान शमी ने सात विकेट चटकाए थे। साहा से जब यह पूछा गया कि क्या गेंद का रंग अधिक अंतर पैदा करेगा तो उन्होंने कहा, 'वे (शमी, इशांत व उमेश) जिस फॉर्म में हैं उसे देखते हुए गुलाबी गेंद मायने नहीं रखेगी। शमी तो किसी भी विकेट पर खतरनाक हो सकते हैं। उनके पास गति है और वह रिवर्स स्विंग हासिल कर सकते हैं। हमने अब तक गुलाबी गेंद की स्विंग नहीं देखी है। लेकिन, हमारे तेज गेंदबाजों की फॉर्म को देखते हुए गेंद का रंग मायने नहीं रखेगा।' बंगाल के शमी व साहा सहित भारत के कुछ खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में गुलाबी गेंद से खेलने का अनुभव है लेकिन साहा ने कहा कि वह कूकाबूरा गेंद थी।

बांग्लादेश को चेक-मेट करे भारत : तानिया

यूं तो जयपुर को गुलाबी शहर कहा जाता है, लेकिन इस समय कोलकाता शहर गुलाबी रंग में रंगा हुआ है। आलम यह है कि दूसरे खेलों के खिलाड़ी भी इस ऐतिहासिक डे-नाइट टेस्ट का गवाह बनना चाहते हैं। 2005 में महिला शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने वालीं तानिया सचदेव इस समय कोलकाता में ग्रैंड वर्ल्ड चेस टूर में कमेंट्री कर रही हैं, लेकिन वह भी खुद को ईडन गार्डेंस में चल रही तैयारियों को देखने के लिए आने से रोक नहीं पाईं। 2008 में इंटरनेशनल मास्टर बनने वालीं **तानिया सचदेव** से **अभिषेक त्रिपाठी** ने भारत-बांग्लादेश डे-नाइट टेस्ट सहित शतरंज के भविष्य को लेकर विशेष बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश-

साक्षात्कार

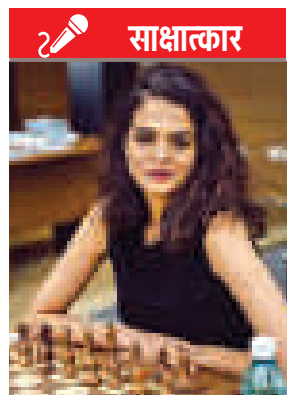

- **भारत में पहली बार कोलकाता में डे-नाइट टेस्ट होने जा रहा है। शतरंज की स्टार क्या इसीलिए क्रिकेट के मैदान में आई है?**

-मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट को रोचक बनाने के लिए यह एक बहुत अच्छी पहल है। डे-नाइट टेस्ट को लेकर पूरे कोलकाता को जिस तरह से गुलाबी रंग से सजाया गया है, उसे देखना काफी रोचक है। मुझे लगता है कि इस तरह की पहल से निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट रोचक बनेगा। उम्मीद करती हूं कि भारत इस ऐतिहासिक टेस्ट में बांग्लादेश को चेक-मेट करे।

- **अन्य खेलों के कई खिलाड़ियों का मानना है कि भारत में क्रिकेट की वजह से बाकी खेलों को ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती। इसको लेकर आपका क्या कहना है?**

-मेरे हिसाब से भारत में किसी भी खेल की क्रिकेट से तुलना करना सही नहीं है क्योंकि इस खेल को लेकर हमारे देश में जो जुनून है और उत्साह है, उसकी किसी से तुलना नहीं की जा सकती। हालांकि, अब दूसरे खेलों को भी भारत में समर्थन मिल रहा है और यह काबिले तारीफ है। मुझे नहीं लगता कि किसी एक खेल से हमें तुलना करनी चाहिए। हालांकि, मेरा मानना है कि दूसरे खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन करने वाले हमारे खिलाड़ियों को सम्मान और पहचान मिलने का पूरा हक है और यह मिलनी चाहिए।

- **शतरंज के अलावा आपको दूसरा कौन सा खेल खेलना या देखना पसंद है और क्यों है?**

-मैं पेशेवर स्तर पर केवल शतरंज ही खेलती हूं, लेकिन दूसरे खेलों को देखने में मुझे बहुत मजा आता है। क्रिकेट की बात है तो मैं इसके हर मैच को नहीं देखती, लेकिन विश्व कप के दौरान मैं ज्यादा मुकाबले देखती हूं। मुझे टी-20 प्रारूप बहुत पसंद आता है।

- **क्रिकेट में आपके सबसे चहेते कौन रहे हैं?**

-सचिन तेंदुलकर मेरे सबसे चहेते रहे हैं। वह अपने खेल के महान खिलाड़ी रहे हैं और हमेशा रहेंगे। हालांकि, विराट कोहली की अगुआई वाली पूरी भारतीय टीम शानदार खेल दिखा रही है और मैं उन्हें डे-नाइट टेस्ट के लिए शुभकामनाएं देती हूं।

- **देश में शतरंज के भविष्य को आप कैसे देखती हैं और भारत इस खेल में कैसे आगे बढ़ेगा?**

-भारत में शतरंज के खेल में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। हर स्तर और वर्ग में हमारे खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। देश का प्रतिनिधित्व करते हुए हमारे खिलाड़ी बहुत कम उम्र में ही ग्रैंडमास्टर और इंटरनेशनल मास्टर बन रहे हैं। शतरंज में हमारे प्रदर्शन में काफी उछाल देखने को मिला है। ग्रैंड वर्ल्ड चेस टूर जैसे बड़े शतरंज टूर्नामेंटों की मेजबानी से भारतीय शतरंज को काफी मदद मिलेगी, क्योंकि इस टूर्नामेंट में कई कड़े प्रतिद्वंद्वी खेल रहे हैं और उन्हें खेलते देखना प्रेरणा पैदा करती है।

- **भारत में किसी खेल के भविष्य को उसके हीरो से जोड़कर देखा जाता है। क्या आपको लगता है कि इस खेल की तरक्की के लिए हमें एक और विश्वनाथन आनंद या फिर तान्या चाहिए?**

-हमारे पास पहले से ही इस खेल में कई बड़े नाम हैं। हमारे पास रमेशबाबू प्रगनंधा हैं, निहाल सारिन हैं। निश्चित तौर पर विश्वनाथन हमारे खेल के महान खिलाड़ी हैं। आज भारतीय शतरंज जिस स्तर पर है उसमें उनका बहुत बड़ा योगदान है, लेकिन अगर आप हमारे युवा खिलाड़ियों के देखें तो वे भी 12 और 13 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर्स बन रहे हैं। ऐसे में हमारे पास प्रेरणादायी खिलाड़ियों की कमी नहीं है। अब हमारे खिलाड़ियों को विश्व स्तर का बनाने के लिए हमें बेहतर आधारभूत संरचनाओं और खेल प्रणाली की जरूरत है।

- **बहुत दिनों से शतरंज को ओलंपिक में शामिल करने की मांग चल रही है। क्या आप शतरंज को ओलंपिक खेल के तौर पर देखती हैं?**

-हर शतरंज खिलाड़ी का सपना है कि हमारा खेल ओलंपिक में शामिल किया जाए और उम्मीद है कि भविष्य में इसे ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। शतरंज एक ऐसा खेल है जिसे 150 से ज्यादा देश खेलते हैं। दरअसल, ओलंपिक में उन्हीं खेलों को शामिल किया जाता है जिसका प्रसारण टीवी पर रोचक तरीके से किया जा सके। शतरंज के खेल में यह एक चुनौती है। हालांकि, ऑनलाइन देखे जाने के मामले में इसकी कोई तुलना नहीं है। हम सभी का सपना है कि शतरंज एक दिन ओलंपिक खेल बनेगा। देखते हैं आगे क्या होता है।

हम टीम इंडिया को उसके घर में हरा सकते हैं : रसेल

विशाल श्रेष्ठ • अबू धाबी

टीम इंडिया को उसके घर में हरा पाना दुनिया की किसी भी टीम के लिए इस वक्त बेहद मुश्किल काम है, लेकिन वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल को यकीन है कि सीमित ओवरों के नए कप्तान कीरोन पोलार्ड की अगुआई में कैरेबियाई टीम यह कारनामा कर सकती है।

अबू धाबी में चल रही टी-10 लीग में नॉर्दन वॉरियर्स की तरफ से खेल रहे रसेल ने खास बातचीत में कहा, 'निश्चित तौर पर हम भारत को भारत में हरा सकते हैं। हम पहले भी ऐसा कर चुके हैं। वनडे और टी-20 टीम के नए कप्तान पोलार्ड अच्छे नेतृत्वकर्ता हैं। वेस्टइंडीज को आखिरकार ऐसा कप्तान मिल गया है, जो सामने से टीम की अगुआई करना जानता है। हमें मालूम है कि टीम इंडिया को हराना आसान नहीं होगा। हमारे सभी खिलाड़ियों को खेल पर फोकस करके टीम की तरह खेलना होगा।' मालूम हो कि दिसंबर में भारत दौरे पर आ रही कैरेबियाई टीम तीन वनडे व तीन टी-20 मैच खेलेगी। भारत द

मैं भारतीय टीम को किसी भी विपक्षी टीम के खिलाफ बिना डरे खेलते हुए देखना चाहता हूं।
– ईगोर स्टीमाक, फुटबॉल कोच, भारत

किदांबी श्रीकांत ने बनाई दूसरे दौर में जगह

ग्वांगझू, प्रेट्र : भारत ने कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की जब किदांबी श्रीकांत और समीर वर्मा पुरुष सिंगल्स वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गए। श्रीकांत ने अपना मुकाबला जीता जबकि समीर के विपक्षी खिलाड़ी ने बीच में ही मैच छोड़ दिया। छठी वरीयता प्राप्त श्रीकांत ने हांगकांग के वोंग विंग कि विंसेंट को लगातार गेमों में 21-18, 21-17 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 26 वर्षीय श्रीकांत का हांगकांग के इस खिलाड़ी के खिलाफ अब 11-3 का रिकॉर्ड है।

भारत के खिलाफ जूनियर खिलाड़ियों के साथ खेलेगी पाकिस्तानी टीम

डेविस कप ▶ ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान जैसे सीनियर खिलाड़ी इन मैचों से हटे

पाकिस्तान टेनिस महासंघ ने 17 साल के दो नए खिलाड़ियों को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के खिलाफ नूर सुल्तान में होने वाले डेविस कप मुकाबले खेलने से ऐसाम उल हक कुरैशी और अकील खान जैसे सीनियर खिलाड़ियों के इन्कार के बाद पाकिस्तान को टीम में 17 साल के दो नए खिलाड़ियों को लेना पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आइटीएफ) ने सुरक्षा चिंताओं के कारण 29-30 नवंबर को इस्लामाबाद में होने वाला यह मुकाबला नूर सुल्तान में कराने का फैसला किया। पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) ने युवा हुजाइफा अब्दुल रहमान और शोएब खान को टीम में लिया है जो जूनियर आइटीएफ रैंकिंग में क्रमशः 446 और 1004वें स्थान पर हैं। उनके अलावा युसूफ खान, अहमद कामिल और अमजद भी टीम में हैं। पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ियों ऐसाम और अकील ने मुकाबला तटस्थ स्थान पर कराने के विरोध में नाम वापस ले लिया। ऐसे में पीटीएफ के सामने जूनियर खिलाड़ियों को चुनने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। पीटीएफ अध्यक्ष सलीम सैफुल्लाह ने कहा, 'यह अच्छा मुकाबला हो सकता था, लेकिन अब हमें जूनियर खिलाड़ी भेजने पड़ रहे हैं। हमारे सीनियर खिलाड़ी डेविस कप खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं। हमारी टीम में 17 साल के खिलाड़ी हैं जिन्हें इससे अनुभव मिलेगा। भारत यह मुकाबला जीतना चाहता था और अब आराम से जीत सकता। रोज सैकड़ों भारतीय पाकिस्तान आ रहे हैं। हमारे होटलों में भारतीय भरे पड़े हैं, लेकिन सिर्फ छह भारतीय नहीं आ सकते। यह शर्मनाक है।' पाकिस्तान ने 2017 के बाद से चार डेविस कप टीमों की मेजबानी की है और सिर्फ हांगकांग ही इस्लामाबाद नहीं आया। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने नाम वापस लेकर टीम का नुकसान किया है, अकील ने कहा, 'हमने ऐसा कुछ नहीं किया है। पीटीएफ भी हमारे साथ है। हमारे फैसले का नैतिक आधार है। ऐसा नहीं है कि आप कुछ भी करें और हम जाकर आपके साथ खेलें। पहले भी आइटीएफ ने हमारे खिलाफ फैसले लिए हैं।' इस मुकाबले के विजेता को डेविस कप 2020 क्वालीफायर खेलने का मौका मिलेगा जिसमें विजयी रहने वाली टीम विश्व ग्रुप खेलेगी।

मैच जीतने के बाद स्पेनिश दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल। एएफपी

नडाल के स्पेन ने डेविस कप में रूस को हराया

मैड्रिड, एएफपी : दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल के शानदार प्रदर्शन के दम पर स्पेन ने अपने घरेलू दर्शकों के सामने डेविस कप मुकाबले में रूस को हरा दिया। इस साल के आखिर में नंबर वन टेनिस खिलाड़ी रहने वाले नडाल ने कारेन खचानोव को 6-3, 7-6 से हराकर स्पेन को बराबरी दिलाई। मार्शेल ग्रानोलेर्स और फेलिसियानो लोपेज ने निर्णायक डबल्स मुकाबले में खचानोव और आंद्रेइ रुबलेव को 6-4, 7-6 से मात दी। इससे पहले रुबलेव ने राबर्टो बतिस्ता आगुट को 3-6, 6-3, 7-6 से हराकर रूस को बढ़त दिलाई थी। इस साल नए प्रारूप के तहत डेविस कप मुकाबले एक सप्ताह के भीतर एक स्थान पर ही खेले जाएंगे। अन्य मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया ने कोलंबिया को हराया। वहीं, कनाडा ने अमेरिका को और फ्रांस ने जापान को मात दी। अर्जेंटीना ने चिली को और कजाखिस्तान ने नीदरलैंड्स को शिकस्त दी।

सिंधू की खराब फॉर्म व्यस्त कार्यक्रम के कारण है : गोपीचंद

कोलकाता, प्रेट्र : भारत के मुख्य बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने बुधवार को कहा कि विश्व चैंपियनशिप में खिताबी जीत के बाद पीवी सिंधू की खराब फॉर्म का कारण व्यस्त कार्यक्रम है। अगस्त में विश्व चैंपियनशिप में खिताब जीतने के बाद से सिंधू फ्रेंच ओपन के अलावा किसी टूर्नामेंट में अंतिम आठ में जगह नहीं बना पाई हैं।

गोपीचंद ने कहा, 'पिछले कुछ मैचों में सिंधू को मुश्किल हालात का सामना करना पड़ा है लेकिन मुझे यकीन है कि वह वापसी करेगी। मुझे लगता है कि विश्व चैंपियनशिप के बाद उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है। वह चीन और कोरिया में खेलने के बाद डेनमार्क और फ्रांस में खेली तथा फिर दोबारा चीन में खेलने आई और हांगकांग में खेली। इसलिए मुझे लगता है कि पिछले दो महीने उसके लिए कड़े रहे।' उन्होंने कहा, 'दुनिया भर के कई खिलाड़ियों को इसमें दिक्कत आ रही है और कई ऐसे खिलाड़ी है जो व्यस्त कार्यक्रम के कारण इन टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे। मुझे लगता है कि वह किसी भी दिन दावेदार है और मुझे यकीन है कि वह वापसी करेगी।'

गोपीचंद ने साथ ही कहा कि 2020 टोक्यो ओलंपिक की भारत की तैयारी सही दिशा में चल रही है और खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की आस है। गोपीचंद और सिंधू उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें शुक्रवार से यहां भारत और बांग्लादेश के बीच शुरू हो रहे डे-नाइट टेस्ट के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

सचिन तेंदुलकर ने कहा पुरुषों का रोना सामान्य

क्रिकेट डायरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बुधवार को सोशल मीडिया पर 'आंसू दिखाने में कोई शर्म नहीं है' नामक पोस्ट साझा की। उन्होंने यह बात उस संदर्भ में कही जब पुरुषों का रोना कमजोरी की निशानी समझा जाता था। सचिन चाहते हैं कि अब इसे समाप्त हो जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय पुरुष सप्ताह के दौरान सचिन ने एक भावुक संदेश के जरिये पूछा, 'आंसू दिखाने में कोई शर्म नहीं है तो अपने उस हिस्से को क्यों छुपाना जो वास्तव में आपको मजबूत बनाता है? अपने आंसुओं को क्यों छुपाना? चूंकि, हमें बचपन से ही यही सिखाया जाता है कि पुरुषों को रोना नहीं चाहिए। रोना पुरुषों को कमजोर बनाता है। मैं यही मानकर बड़ा हुआ। और, यही वजह है कि मैं यह लिख रहा हूं कि मुझे अहसास है कि मैं गलत था। मेरे दर्द और मेरे संघर्ष की वजह से ही मैं आज यहां तक पहुंचा हूं। यही मुझे एक बेहतर पुरुष बनाता है।'

उन्होंने लिखा, 'अपना दर्द दिखाने के लिए काफी हिम्मत की जरूरत होती है, लेकिन यह बात पक्की है कि इस सबसे आप अधिक मजबूत बनेंगे। तो मैं आपको यही कहूंगा कि पुरुषों को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए इससे आगे बढ़िए। आप कोई भी हों, कहीं भी हों, मैं चाहता हूं कि आप यह हौसला दिखाएं। बेशक ऐसा वक्त आएगा जब आप असफल होंगे और आपका रोने का, दिल हल्का करने का मन करता होगा। लेकिन आप रोते नहीं, अपने आंसुओं को रोककर रखते हैं क्योंकि मर्द को यही करना होता है। उसे मजबूत दिखना होता है।'

सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने आखिरी दिन को याद किया जब वह विदाई संबोधन के दौरान रो पड़े थे। उन्होंने लिखा, 'मैंने इसके बारे में काफी सोचा, लेकिन पवेलियन की ओर मेरे आखिरी कदमों के लिए इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता था। हर कदम के साथ मैं डूबता चला गया। मेरा गला भर आया था। सब खत्म होने का डर मुझ पर हावी हो रहा था। अपनी भावनाओं का वहां इजहार करके मैं अधिक मजबूत महसूस कर रहा था। मुझे जो कुछ मिला उसके लिए मैं आभारी था।'

पाकिस्तान से हारकर भारत एसीसी एमर्जिंग कप से बाहर

ढाका, प्रेट्र : भारतीय टीम बुधवार को यहां पहले सेमीफाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से तीन रन से हारकर एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) एमर्जिंग टीम कप से बाहर हो गई। पाकिस्तान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात विकेट पर 267 रन का स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ओमेर यूसुफ (66) और हैदर अली (43) ने पहले विकेट के लिए 90 रन की शानदार साझेदारी करके मजबूत नींव रखी।

भारतीय तेज गेंदबाज शिवम मावी (2/53), ऑफ स्पिनर रितिक शौकीन (2/59) और सौरभ दुबे (2/60) ने छह विकेट साझा किए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान बी रवि शरत (47) और आर्यन जुयाल (17) ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए महज 38 गेंद में 43 रन की साझेदारी की। जुयाल के आउट होने के बाद शरत ने शीर्ष स्कोरर रहे सनवीर सिंह (76) के साथ 50 से अधिक रन की साझेदारी की, लेकिन इन दोनों के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया। भारत ने विकेट गंवाना जारी रखा और टीम आठ विकेट पर 264 रन ही बना पाई।

अपने संन्यास पर पलटे श्रीलंकाई क्रिकेटर मलिंगा

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका के कप्तान और अनुभवी तेज गेंदबाज लसित मलिंगा ने अगले साल टी-20 विश्व कप के बाद क्रिकेट को अलविदा कहने का अपना फैसला वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि वह दो साल और खेल सकते हैं। मलिंगा ने मार्च में कहा था कि वह टी-20 विश्व कप के बाद संन्यास लेना चाहते हैं। इस प्रारूप में श्रीलंका के कप्तान 36 साल के मलिंगा ने अब कहा कि वह आगे भी खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'टी-20 में चार ओवर ही डालने हैं और मुझे लगता है कि मैं इसमें खेल सकता हूं।

बतौर कप्तान मैंने दुनिया भर में इतने टी-20 खेले हैं कि मुझे लगता है कि दो साल और खेल सकता हूं। श्रीलंका क्रिकेट ने मुझसे कहा है कि विश्व कप में मैं कप्तान रहूंगा, लेकिन श्रीलंका में कुछ भी हो सकता है। श्रीलंका के पास अच्छे गेंदबाज नहीं हैं और टीम लगातार अच्छा नहीं खेल पा रही है। हमें एक साल लगेगा और तब तक संयम रखना होगा। मुझे लगता है कि मैं युवाओं को कुछ दे सकता हूं तो मुझे खेलना होगा। मैं नहीं खेलूंगा तो ऐसा नहीं कर सकूंगा।' मलिंगा आइपीएल की टीम मुंबई इंडियंस के लिए भी खेलते हैं।

यूरो चैंपियनशिप के लिए 20 टीमों की सूची तैयार

फुटबॉल डायरी

ज्यूरिख, रायटर : यूरो 2020 चैंपियनशिप के लिए 24 में 20 टीमों का फैसला हो चुका है, जबकि चार टीमें अगले साल मार्च में प्लेऑफ के जरिये मुख्य दौर में जगह बनाएंगी, जिसके लिए 16 टीमें अभी भी होड़ में शामिल हैं। पहली बार यह टूर्नामेंट 10 देशों के 12 शहरों में आयोजित किया जाएगा।

मंगलवार को ग्रुप-ई में वेल्स की फुटबॉल टीम ने हंगरी को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी बार यूरो चैंपियनशिप का टिकट हासिल किया, जहां उसके लिए आरोन रामेसी ने दोनों हाफ में एक-एक गोल दागे। वेल्स ने ग्रुप-ई में क्रोएशिया के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया।

गनेब्री और विज्नाल्डम की हैट्रिक : सर्जी गनेब्री की शानदार हैट्रिक के दम पर जर्मनी ने नॉर्दन आयरलैंड को 6-1 से हराकर ग्रुप-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया। गनेब्री के अलावा लियोन गोरेत्जका ने दो गोल और जूलियन ब्रांड ने एक गोल किए। पहले ही क्वालीफाई कर चुकी जर्मनी की टीम 21 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि नीदरलैंड्स ने इस्टोनिया को 5-0 से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस्टोनिया के खिलाफ पहले ही क्वालीफाई कर चुकी नीदरलैंड्स की टीम को आसान जीत दिलाने में जॉजिन्हो विज्नाल्डम की अहम भूमिका रही, जिन्होंने शानदार हैट्रिक लगाई।

बेल्जियम का शानदार सफर : ग्रुप-आइ में बेल्जियम ने साइप्रस को 6-1 से हराकर यूरो क्वालीफायर अभियान का शानदार समापन किया। बेल्जियम की ओर से क्रिस्टियन बेनटेक और केविन डि ब्रूने ने दो-दो गोल दागे। क्वालीफायर में बेल्जियम ने अपने खेले अपने सभी 10 मुकाबले जीते, जहां उसने 40 गोल दागे। उधर, ग्रुप-जी में पोलैंड ने स्लोवेनिया को एक रोचक मुकाबले में 3-2 से हराकर अपने अभियान का शीर्ष पर रहते हुए समापन किया।

मौरिन्हो टॉटनहम के मैनेजर

लंदन, एएफपी : इंग्लिश फुटबॉल क्लब टॉटनहम हॉस्ट्सपर ने मॉरिसियो पोचेटिनो को हटाकर जोस मौरिन्हो को अपना नया मैनेजर नियुक्त किया है। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खराब प्रदर्शन के बाद पोचेटिनो को मैनेजर के पद से हटाया गया है जहां टॉटनहम की टीम 14वें स्थान पर चल रही है। ईपीएल में इस सत्र में टॉटनहम शुरुआती 12 मुकाबलों में से महज जीत जीत दर्ज कर पाया है। चेल्सी, रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर युनाइटेड के पूर्व मैनेजर मौरिन्हो ने टॉटनहम के साथ 2022-23 तक के लिए करार किया है। उनके कार्यकाल में टॉटनहम की टीम कोई खिताब नहीं जीत पाई, लेकिन टीम ने पिछले साल यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल तक का सफर तय किया था।

क्वालीफाई कर चुकीं 20 टीमें

बेल्जियम, इटली, रूस, पोलैंड, यूक्रेन, स्पेन, फ्रांस, तुर्की, इंग्लैंड, चेक गणराज्य, फिनलैंड, स्वीडन, क्रोएशिया, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड्स, जर्मनी, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, वेल्स।

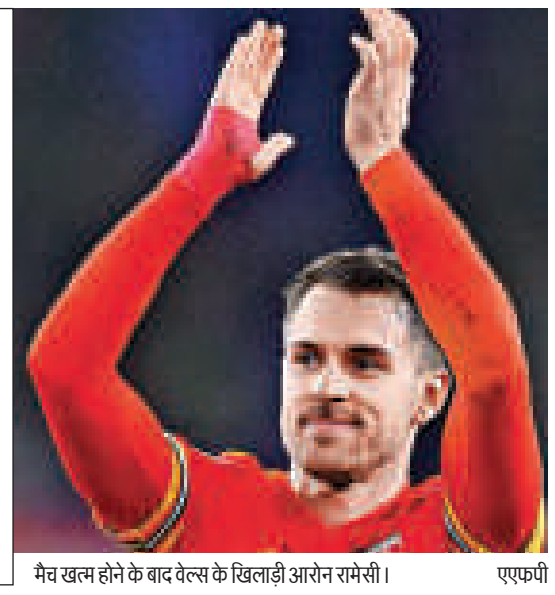

मैच खत्म होने के बाद वेल्स के खिलाड़ी आरोन रामेसी। एएफपी

विविध

तीन महीने में 500 कार्ड क्लोन कर लाखों उड़ाए

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

एटीएम या डेबिट कार्ड क्लोन कर लोगों के खाते से रुपये उड़ाने वाले दो शातिर बदमाशों को द्वारका जिला पुलिस की एंटी स्नेचिंग टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान राजेश शर्मा उर्फ बबलू (52) और शमशेर उर्फ शेरा (22) के रूप में हुई है। आरोपितों ने पिछले तीन महीने के दौरान करीब 500 कार्ड क्लोन कर 25 लाख रुपये से अधिक की ठगी की है। आरोपितों के पास से पुलिस ने 11 वेरीफोन (कार्ड क्लोन करने वाली डिवाइस), 100 क्लोन कार्ड, एक एमएसआर मशीन बरामद की है। गिरफ्तार आरोपित राजेश शर्मा ने दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई की है। उसके खिलाफ पहले से धोखाधड़ी के 17 मामले दर्ज हैं।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त एंटो अल्फोंस ने बताया कि सोमवार को उनकी टीम को सूचना मिली थी कि एटीएम कार्ड क्लोन कर ठगी करने वाले गिरोह का एक सदस्य द्वारका सेक्टर-20 के पास एटीएम से नकदी निकालने वाला है। सूचना के बाद पुलिस की टीम ने आरोपित राजेश शर्मा को द्वारका सेक्टर-20 के पास एक एटीएम से क्लोन कार्ड से नकदी निकालते हुए दबोच लिया। उसके पास से 10 क्लोन कार्ड, एक वेरीफोन डाटा सेविंग मशीन बरामद हुई। इसके बाद उसके पास से छह और वेरीफोन मशीन, 61 क्लोन कार्ड और अन्य सामान बरामद हुआ। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने शमशेर को उसके घर द्वारका से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चार वेरीफोन मशीन व कई क्लोन कार्ड बरामद किए। आरोपितों ने पुलिस को बताया कि दोनों मिलकर वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस के अनुसार, कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद राजेश ने 2000 में शादी की, लेकिन उसकी बुरी आदतों को देखकर पत्नी छोड़कर चली गई। दूसरी शादी करने पर भी ऐसा ही हुआ। आरोपित ने पुलिस को बताया कि उसने इरफान और एक अफ्रीकी नागरिक से कार्ड क्लोनिंग सीखी। कई बार जेल से अंदर-बाहर होने के बाद राजेश ने द्वारका में एक स्पा खोला। वहां वह वेरीफोन मशीन की मदद से लोगों के कार्ड का डाटा चोरी कर नया क्लोन कार्ड तैयार कर ठगी करने लगा। स्पा में शमशेर भी उसके साथ मिलकर ठगी करता था। पुलिस दोनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

नीली रोशनी में जगमग हुआ नॉर्थ और साउथ ब्लॉक...

बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समझौते की 30वीं वर्षगांठ पर बुधवार को नई दिल्ली में नॉर्थ और साउथ ब्लॉक नीली रोशनी में नहाया नजर आया। यह यूनीसेफ के 'गो ब्लू' कैंपेन के तहत बच्चों के अधिकारों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए किया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 नवंबर, 1989 को बाल अधिकार समझौते को अंगीकार किया था। संजय

कमरे में मिला नामी अस्पताल की डॉक्टर का शव

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

हरियाणा के गुरुग्राम के सेक्टर-43 इलाके में किराये पर रह रहीं शहर के एक नामी निजी अस्पताल में कार्यरत एनस्थीसिया स्पेशलिस्ट डॉ. सोनम (29) कमरे में मृत मिली हैं। सोमवार देर रात उनके कमरे में उनका शव मिला। दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला गया। कमरे में बेड पर कई दवाएं और सिरिंज पड़ी थीं। इससे लगता है कि अधिक दवा लेने से उनकी मौत हुई। पूरी सच्चाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट से सामने आएगी। डॉ. सोनम के पति डॉ. शिखर मोर दिल्ली के एम्स में कार्यरत हैं। इधर, मृतका के पिता ने अपने दामाद व ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। शिकायत के आधार पर सुशांत लोक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

राजस्थान के कोटा के महावीर नगर निवासी ओंकार लाल मोटिस ने पुलिस में दी शिकायत में कहा है कि उन्होंने अपनी बेटी डॉ. सोनम की शादी 11 मई 2018 को कोलकाता निवासी व दिल्ली के एम्स में कार्यरत डॉ. शिखर मोर से की थी। डॉ. सोनम भी उस समय एम्स में काम करती थीं। ओंकार लाल का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद मालूम हुआ कि डॉ. शिखर गांजे का नशा करते हैं और उनकी बेटी को भी नशा करने के लिए प्रेरित करते हैं। इस बात की पुष्टि तब हुई जब उनकी बेटी को इसी साल अप्रैल के दौरान एम्स में भर्ती कराया गया। फिर पता चला कि बेटी के साथ दामाद व उनकी मां मारपीट करते हैं।

ओंकार लाल ने बताया कि उस समय उनकी बेटी व दामाद दिल्ली के साउथ एक्सटेंशन इलाके में रहते थे। ससुराल वालों के कहने पर जून में वह अपनी बेटी को लेकर कोटा चले गए। वहां पर भी एक बार बेटी के सास-ससुर पहुंचे और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद जब बेटी दिल्ली आई तो दामाद ने भी उसके साथ मारपीट की। इस सबसे परेशान होकर वह अपनी बेटी को लेकर वापस कोटा चले गए। वहां पर दुर्घटना की वजह से उनकी बेटी के पांव में फ्रैक्चर हो गया था। उसके बाद से उनकी बेटी का ससुराल वालों ने बहिष्कार कर रखा था। जब सितंबर में उनकी बेटी स्वस्थ होकर लौटीं तो उनके दामाद ने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद से उनकी बेटी एम्स की नौकरी छोड़ कर गुरुग्राम के एक नामी अस्पताल में नौकरी ज्वाइन कर सेक्टर-43 में रह रही थी। यह बात भी सामने आ रही कि वह यहां की नौकरी भी छोड़ चुकी थीं।

सोनम के पिता ने कहा उन्होंने बेटी को कॉल किया तो कॉल रिसीव नहीं हुई। इसके बाद मकान मालिक को कॉल की तो पता चला कि बेटी ने रविवार से दरवाजा नहीं खोला है। वह मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर शव भीतर से निकाला गया।

उप्र के डिप्टी सीएम और मंत्री समेत पांच को मानद उपाधि देगा एनओयू

जयशंकर बिहारी, पटना

▶ निर्णय पर विवाद, शिक्षाविदों व विद्यार्थियों ने जताई आपत्ति, पीएमओ से शिकायत

नालंदा खुला विश्वविद्यालय (एनओयू) 11 दिसंबर को बापू सभागार में प्रस्तावित दीक्षा समारोह में पहली बार पांच दिग्गजों को मानद उपाधि देगा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को डीलिट वाणिज्य, उत्तर प्रदेश सरकार में ही स्टांप, कोर्ट फीस एवं पंजीयन विभाग के मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल को डीएससी प्रबंधन, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरके भटनागर को डीएससी बायोटेक्नोलॉजी, पार्श्व गायिका डॉ. हेमलता को डीलिट साहित्य तथा इसरो के अध्यक्ष के. सिवन को डीएससी विज्ञान की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

इसरो के अध्यक्ष को छोड़कर अन्य ने विश्वविद्यालय को उपाधि ग्रहण करने की मौखिक सहमति प्रदान कर दी है। वहीं, इसरो अध्यक्ष द्वारा स्वीकृति नहीं देने की स्थिति में एकेडमिक काउंसिल और कार्यकारी परिषद ने कुलपति को उनके स्थान पर किसी अन्य को उपाधि देने के लिए अधिकृत किया है। इस संबंध में पूछने पर प्रभारी कुलपति प्रो. जीसीआर जायसवाल ने किसी तरह की जानकारी साझा करने से इन्कार कर दिया।

पूर्व कुलपति कर रहे विरोध : एनओयू के पूर्व कुलपतियों का कहना है विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार मानद उपाधि देने का फैसला लिया गया है। एनओयू परिनियम के अनुसार मानद उपाधि के लिए अलग से दीक्षा समारोह आयोजित करने का प्रावधान है। विद्यार्थियों के साथ मानद उपाधि नहीं दी जा सकती। प्रभारी कुलपति के रूप में इस तरह का फैसला लेने की परंपरा नहीं रही है। वहीं विद्यार्थियों ने भी विश्वविद्यालय के इस फैसले के विरोध में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को शिकायत की है। उन्होंने इस संबंध में उचित कदम उठाने की गुहार लगाई है।

'खुश करने के लिए न हो विवि का उपयोग'

एनओयू के पूर्व कुलपति और पूर्व मुख्य सचिव वीएस दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय नियमित शिक्षकों के अभाव में कई वर्षों से सामान्य छात्रों को पीएचडी की डिग्री नहीं दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह 100 फीसद गलत है। विश्वविद्यालय का उपयोग किसी को प्रसन्न करने के लिए नहीं होना चाहिए। एनओयू में गलत परंपरा की शुरुआत की जा रही है।

स्वामी नित्यानंद के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

▶ दो संचालिकाओं को बालश्रम व बच्चों को प्रताड़ित करने के लिए गिरफ्तार किया

सर्वज्ञपीठम आश्रम से दो युवतियों के गुम होने के मामले में पुलिस ने स्वामी नित्यानंद के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। आश्रम की दो संचालिकाओं को बालश्रम व बच्चों को प्रताड़ित करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। नित्यानंद के खिलाफ पुलिस रेड कॉर्नर नोटिस जारी करा सकती है। अहमदाबाद के हाथीजण इलाके में स्थित आश्रम सर्वज्ञपीठम में नाबालिग बच्चों को बंधक बनाकर रखने और बेंगलुरु की दो लड़कियों को यहां लाने को लेकर गुजरात पुलिस ने नित्यानंद के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आश्रम की दो संचालिकाएं प्राणप्रिया व तत्वप्रिया को बच्चों से बालश्रम कराने व प्रताड़ित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

अहमदाबाद ग्रामीण के पुलिस उपाधीक्षक केटी कमाटिया ने बताया कि आश्रम में बच्चों से श्रम कराने व उन्हें प्रताड़ित करने के सुबूत मिले हैं। आश्रम से मुक्त कराए गए चार नाबालिगों ने भी अपने बयान में इन संचालिकाओं पर प्रताड़ित करने व श्रम कराने का आरोप लगाया है। आश्रम से लापता नंदिता ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट कर अपने पिता पर आश्रम को बदनाम करने का आरोप लगाया है। उसने कहा है कि यह उसके परिवार का मामला है। हम ठीक कर लेंगे इसमें आश्रम को नहीं घसीटें। नंदिता ने पिता पर यह भी आरोप लगाया है कि वह नित्यानंद के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने का दबाव बना रहे हैं। उसने साफ कहा है कि वह ऐसा कभी नहीं करेगी। विवाद शांत होने के बाद वह फिर आश्रम के साथ मिलकर काम करेगी। उधर हाई कोर्ट ने पिता की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर राज्य सरकार, पुलिस व आश्रम को नोटिस जारी कर 26 नवंबर को तलब किया है।

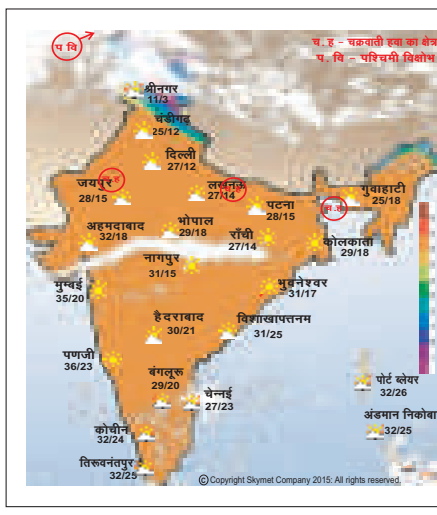

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में अनेक स्थानों पर वर्षा तथा बर्फबारी हो सकती है। कुछ स्थानों पर भारी हिमपात तथा ओलावृष्टि की संभावना है। जबकि सटे हुए पंजाब में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा संभव है। शेष भागों तथा दिल्ली में मौसम आंशिक बादलों के साथ आरामदायक बना रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	34/22/व	अहमदाबाद	33/22/आंबा
कोलकाता	28/18/आंबा	बड़ौदा	33/20/आंबा
चेन्नई	28/22/आंबा	नागपुर	31/15/व
हैदराबाद	30/20/आंबा	इन्दौर	30/19/आंबा
बंगलूरु	29/20/आंबा	राँची	30/20/व
त्रिवेन्द्रम	32/25/आंबा	पटना	32/20/आंबा
गुवाहाटी	26/19/सा	जमशेदपुर	29/18/आंबा
गंगटोक	12/03/व	पुणे	29/18/सा

पहला रॉकेट छोड़ भारत ने किया अंतरिक्ष कार्यक्रमों में पदार्पण

1963 में आज ही केरल के थुंबा गांव से देश का पहला रॉकेट छोड़ा गया। इसी के साथ अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत हुई। नाइक अपाचे नामक यह रॉकेट इसरो ने नासा से लिया था। रॉकेट के हिस्सों को साइकिल पर रख कर लांच पैड तक पहुंचाया गया था।

आवाज रिकॉर्ड कर फिर सुनाने वाले ग्रामोफोन की घोषणा

1877 में आज ही अमेरिकी आविष्कारक थॉमस एडिसन ने अपने नए आविष्कार ग्रामोफोन (फोनोग्राफ भी प्रचलित) की घोषणा की। इस यंत्र पर आवाज रिकॉर्ड करके उसे बाद में सुना जा सकता था। इसे एक सप्ताह बाद लोगों के सामने पेश किया गया।

बुद्धू बक्सा बना हर घर की जरूरत (विश्व टेलीविजन दिवस)

शुरुआत में अपनी सहज प्रस्तुतिकरण के चलते जिस टेलीविजन को हम बुद्धू बक्सा की संज्ञा देते रहे, कालांतर में सूचना क्रांति का यह सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ। आज हम अपने घरों में बैठे दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटना को देख सकते हैं। इसका पहला मॉडल 1927 में अमेरिका में तैयार हुआ। 1959 में भारत में टेलीविजन आया। जल्द ही इस ताकतवर उपकरण का सकारात्मक असर दुनिया पर दिखने लगा। 17 दिसंबर, 1996 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस घोषित कर दिया।

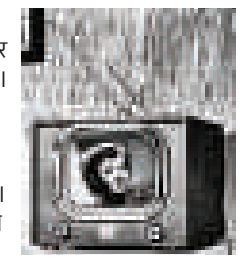

कैसी होगी संतान विलक्षण या सामान्य इंसान

अपनी संतान के गुण-धर्मों को जानने के प्रति हर कोई चरम स्तर तक उत्सुक होता है। अपनी इस जिज्ञासा को शांत करने के लिए अभी तक हम बेबस थे, अब विज्ञान के इस युग ने इस असंभव को भी संभव बना दिया है। डिजायनर बेबी के इस युग में दुनिया में तमाम ऐसी कंपनियां सामने आई हैं जो बच्चे के डीएनए को जांचकर बता रही हैं कि यह आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, कलाकार या फिर सामान्य इंसान बनेगा। चीन सहित दुनिया भर में जेनेटिक टेस्टिंग नामक इस तकनीक का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। 2018 में इस उद्योग का कारोबार सिर्फ चीन में 4.1 करोड़ डॉलर से 2025 तक तीन गुना बढ़कर 13.5 करोड़ डॉलर होने का अनुमान है।

06 करोड़

ईओ इंटेलीजेंस के अनुसार 2022 तक चीनी लोग डीएनए टेस्टिंग किट का इस्तेमाल करने लगेंगे अभी इनकी संख्या 15 लाख है

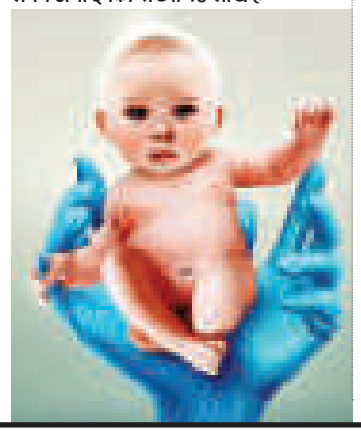

असहमति भी कम नहीं

दुनिया के सबसे बड़े आबादी वाले देश चीन में हर साल औसतन 1.5 करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं। ऐसे में इन अभिभावकों का इस तकनीक के प्रति सहज रुझान समझा जा सकता है जब कंपनियां इन्हें बताती हैं कि इस तकनीक से बच्चे की सीखने की क्षमता, आंकड़ों की याद्दाश्त शक्ति, तनाव सहने की क्षमता जैसे गुणों का पता लगाया जा सकता है। लेकिन कुछ लोग कंपनियों के इन दावों को विज्ञान की जगह महज जन्मपत्री करार देते हैं। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के आनुवंशिक विद और बिग डाटा इंस्टीट्यूट के निदेशक गिल मैक्वेन का मानना है कि बच्चों के डीएनए के आधार पर इन चीजों का आकलन इतनी निश्चितता के आधार पर नहीं किया जा सकता है।

आधुनिक भविष्यवक्ता

वैज्ञानिक इस तकनीक को आधुनिक युग के भविष्य बताने वाले की संज्ञा देते हैं। उन पंडितों की पोथी के रूप में डीएनए को देखते हैं। व्यक्ति का डीएनए उसके आनुवंशिक गुणों का वाहक होता है। जीन डिस्कवरी इस तकनीक की अग्रणी कंपनी है। दुनिया में इस कारोबार में कंपनियों की एक पूरी पौध शुमार हो चुकी है। ये कंपनियां अभिभावकों से उनके बच्चों के तार्किकता, गणित और खेल जैसे विषयों से लेकर उसकी जज्बाती क्षमताओं के सटीक आकलन का दावा कर रही हैं।

कंज्यूमर जेनेटिक्स में उछाल

ग्लोबल मार्केट इनसाइट के अनुसार बच्चों के डीएनए से उनके गुणधर्मों की पहचान करने वाले कारोबार का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। 2025 तक यह सिर्फ चीन में 13.5 करोड़ डॉलर होने का अनुमान जताता है। ईओ इंटेलीजेंस 2022 तक इस बाजार के 40 करोड़ डॉलर को पार कर जाने का अनुमान जताती है। उसके अनुसार 2022 तक छह करोड़ चीनी लोग डीएनए टेस्टिंग किट का इस्तेमाल करने लगेंगे जिनकी अभी संख्या 15 लाख है।

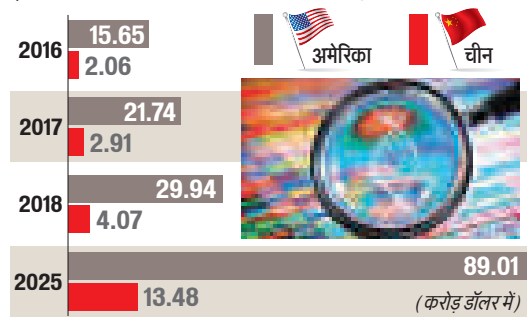

तकनीक का तकाजा

इस तकनीक में बच्चे की लार या अन्य तरीके से उसका डीएनए एकत्र किया जाता है। उसमें संभावित रोगों के साथ उसके जीन्स के आधार पर उसके गुणों का आकलन किया जाता है। जैसे एक प्रकार के ब्रेन प्रोटीन को तैयार करने के लिए निर्देशित करने वाला बीडीएनए जींस अगर किसी बच्चे में नदारद है तो उसमें अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टीविटी डिसऑर्डर की आशंका बलवती है। इसी तरह अगर की बच्चे में एससीटीएन 3 जींस का कोई संस्करण मिलता है तो उसके अच्छे धावक बनने की संभावना प्रबल होती है। अगर अभिभावकों को समय से पहले पता चल जाता है कि उनका बच्चा अमुक क्षेत्र में रुचि रखेगा तो वे शुरुआत से ही उसे वैसा माहौल देना सुनिश्चित कर देते हैं। हालांकि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इस तरीके के परीक्षण अलग-अलग शर्तों के साथ प्रतिबंधित हैं।

इधर-उधर की

जापानी होटल का अनोखा सस्ता सौदा

टोक्यो, एजेंसी : जापान का एक होटल बहुत सस्ती दर पर कमरा मुहैया करा रहा है, लेकिन उसने ऐसी शर्त रख दी है जिसके चलते हर आदमी को यह सौदा बहुत महंगा लगने लगा है। यहां के फुकुओका में एक होटल अपने खास एक कमरे में रात बिताने का शुल्क महज 66 रुपये वसूल रहा है। हालांकि इसके साथ उसने शर्त रखी है कि इस कमरे की सभी गतिविधि रात भर यूट्यूब पर लाइव की जाएगी। यह स्कीम साल भर जारी रहेगी। इसके तहत कमरे में सोने के लिए एक चटाई मिलेगी। एक टीवी और छोटी सी कॉफी टेबल भी उपलब्ध होगी। दिक्कत सिर्फ इतनी रहेगी कमरे में एक कैमरायुक्त टैबलेट रहेगा जो पूरे कमरे में नजर रखेगा। इस कैमरे की रिकार्डिंग यूट्यूब के वन डॉलर चैनल पर लाइव प्रसारित होगी। अच्छी बात यह है कि कमरे में रुकने वाले को बत्ती बंद रखने की सहूलियत दी गई है। बाथरूम को कैमरे की नजर से बाहर रखा गया है। इस होटल की मालकिन के 27 साल के पोते का यह अनोखा बिजनेस मॉडल लोगों को खूब पसंद आ रहा है।

शोध अनुसंधान

योग से गहरी होती है नींद, घटता है कमर दर्द

योग और फिजिकल थेरेपी की मदद से कमर दर्द और नींद से जुड़ी दिक्कतों से निपटा जा सकता है। अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि 12 हफ्ते योग का अभ्यास करने से नींद की गुणवत्ता पर 52 हफ्ते तक सकारात्मक असर रहता है। योग का रास्ता अपनाते हुए इन समस्याओं के लिए दवा लेने की जरूरत भी कम हो सकती है। वैज्ञानिकों ने बताया कि कमर दर्द और नींद के बीच गहरा संबंध होता है। गंभीर कमर दर्द की समस्या से पीड़ित 59 फीसद लोग बेहतर नींद नहीं ले पाते हैं। वहीं ऐसे 53 फीसद लोग अनिद्रा से पीड़ित होते हैं। ऐसे में नींद और कमर दर्द दोनों परेशानियों के लिए दवा लेना सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। दवा के स्थान पर योग अपनाने से कमर दर्द और अनिद्रा दोनों ही परेशानियों में राहत के प्रमाण मिले हैं। योग का असर भी लंबे समय तक देखा गया है। - आइएएनएस

यूरोपा उपग्रह पर मौजूद है जलवाष्प

रहस्यमय ब्रह्मांड ▶ नासा के वैज्ञानिकों ने अध्ययन के बाद तरल अवस्था में जल होने की पुष्टि की

बृहस्पति के चांद के संबंध में पहली बार सामने आई अहम जानकारी

वाशिंगटन, प्रेट्र : अनगिनत रहस्यों को खुद में समेटे ब्रह्मांड हमेशा से अंतरिक्ष विज्ञानियों के लिए जिज्ञासा का विषय रहा है। दुनियाभर के वैज्ञानिक निरंतर नई खोजों के आधार पर इनके रहस्यों पर से पर्दा उठाने में प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिकों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। अध्ययन के आधार पर नासा ने पहली बार इस बात की पुष्टि की है कि बृहस्पति के चांद यूरोपा की सतह के ऊपर जलवाष्प मौजूद है। यह एक ऐसी खोज है, जो इस बात का समर्थन करती है कि बृहस्पति के चांद की मीलो मोटी बर्फ की परत के नीचे पानी की तरल अवस्था में महासागर मौजूद है।

यह अध्ययन नेचर एस्ट्रोनॉमी नामक जर्नल में प्रकाशित किया गया है। अमेरिका के हवाई स्थित डब्ल्यू.एम. केक ऑब्जर्वेटरी में यूरोपा पर मौजूद जलवाष्प को मापा गया है। गौरतलब है कि नासा पृथ्वी से बाहर जीवन की खोज में प्रयासरत है। इस क्रम में जारी बाहरी सौरमंडल से जुड़े अभियानों के क्रम में नासा के वैज्ञानिकों ने यूरोपा के बारे में काफी जानकारी एकत्र कर ली है। इससे अब यह जीवन की खोज अभियान में नासा के लिए उच्च प्राथमिकता वाला लक्ष्य बन गया है।

जीवन की संभावना बनाती है आकर्षक : अमेरिका में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के शोधकर्ताओं का कहना है कि जीवन की संभावना ही इस चांद को इतना आकर्षक बनाती है। यहां जीवन के लिए आवश्यक सभी चीजें मौजूद हो सकती हैं। वैज्ञानिकों के पास इस बात का सुबूत है कि इन आवश्यक चीजों में से एक (तरल अवस्था में जल) इसकी बर्फीली सतह के नीचे मौजूद है और कभी-कभी यह अंतरिक्ष में विशाल गीजर के रूप में जा सकता है। हालांकि, नासा ने एक बयान में कहा है कि अभी तक किसी ने भी इस पर पानी के अणु को माप कर यहां पानी के मौजूद होने की पुष्टि नहीं की है। साथ ही अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी का यह भी कहना है कि यूरोपा की सतह के ऊपर जलवाष्प की पुष्टि वैज्ञानिकों को इस चांद के आंतरिक हिस्से के कामकाज को बेहतर ढंग से समझने में मददगार साबित हो सकती है। उदाहरण के तौर पर यह वैज्ञानिकों के उस विचार का समर्थन करती है कि यहां तरल अवस्था में पानी का महासागर मौजूद है। संभावना यह भी है कि यूरोपा की सतह पर जमी बर्फ के नीचे मौजूद महासागर में पानी की मात्रा धरती पर उपलब्ध जल से दोगुनी हो।

एक मत यह भी है : यूरोपा को लेकर वैज्ञानिकों में और भी कई मत हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि पिघली हुई बर्फ का पानी इसकी सतह के बहुत ज्यादा नीचे नहीं, बल्कि कम गहराई पर ही मौजूद है। वहीं, एक संभावना यह भी जताई गई है कि बृहस्पति का मजबूत विकिरण क्षेत्र यूरोपा के बर्फ के गोले से पानी के कणों को छीन रहा है। हालांकि, हालिया जांच इस मत के विरुद्ध जाती है।

यूरोपा पर पानी की जांच का नेतृत्व करने वाले नासा के वैज्ञानिक लुकास पगनिनी का कहना है कि जीवन की तीन आवश्यकताओं में से दो रासायनिक तत्व (कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, फास्फोरस और सल्फर) और ऊर्जा के स्रोत सभी सौर प्रणाली में पाए जाते हैं, लेकिन तीसरी सबसे जरूरी चीज यानी तरल पानी की मौजूदगी कुछ हद तक कठिन होती है। हालांकि, अभी तक यूरोपा पर पानी की मौजूदगी की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जलवाष्प की पुष्टि इस दिशा में उम्मीद की किरण जलाती है और हमारे जीवन की खोज अभियान को आगे बढ़ाती है।

यूरोपा को लेकर वैज्ञानिकों में विभिन्न प्रकार के मत। फाइल

तस्वीरों से मिला मंगल पर जीवन का संकेत

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : अमेरिका की ओहायो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर विलियम रोमोसर ने तस्वीरों के हवाले से मंगल पर जीवन होने का दावा किया है। उनका कहना है कि विभिन्न मंगल अभियानों से मिली तस्वीरों में वहां छोटे जीवों के होने के प्रमाण दिखते हैं। रोमोसर ने कहा कि मंगल पर जीवाश्म और जीवित दोनों ही स्वरूप में जीवन है। वहां छोटे और उन्नत कीट हैं। इन कीटों के शरीर पर पंख और पैरों जैसी संरचनाएं भी हैं। उनका कहना है कि क्यूरियोसिटी जैसे रोवर जब मंगल पर जैविक गतिविधि की तलाश कर रहे हैं, ऐसे में कई तस्वीरें ऐसी हैं, जिनसे वहां छोटे-छोटे कीटों के होने की पुष्टि होती है। उन्होंने कहा कि ये कीट पृथ्वी पर पाए जाने वाले 'बंबल बी' और 'कारपेंटर बी' से मिलते-जुलते हैं। बताया कि मंगल ग्रह की विभिन्न फोटो से कीटों के अलावा सरीसृप वर्ग के प्राणियों की भी पुष्टि होती है।

उल्कापिंड में मिला पृथ्वी पर जीवन लाने वाला शुगर मॉलीक्यूल

1969 में ऑस्ट्रेलिया में गिरे मार्चिसन नामक उल्कापिंड में भी मिले मॉलीक्यूल

- जीवन की शुरुआत के लिए जरूरी होते हैं अमीनो एसिड, न्यूक्लियोबेस और शुगर
- उल्कापिंडों पर अब इन तीनों घटकों की उपस्थिति का मिल गया है प्रमाण

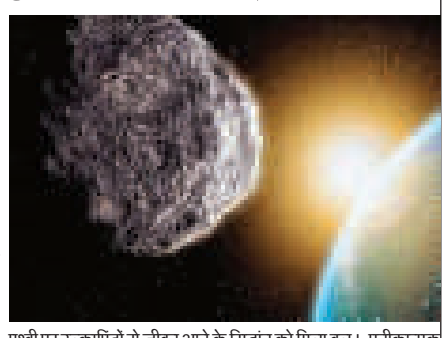

पृथ्वी पर उल्कापिंडों से जीवन आने के सिद्धांत को मिला बल। प्रतीकात्मक

टोक्यो, प्रेट्र : वैज्ञानिकों को पहली बार उल्कापिंडों में 'शुगर मॉलीक्यूल' की उपस्थिति का प्रमाण मिला है। धरती पर जीवन की शुरुआत होने में 'शुगर मॉलीक्यूल' की अहम भूमिका मानी जाती है। इस खोज से पृथ्वी पर जीवन पनपने में उल्कापिंडों की भूमिका को मजबूती मिली है। पीएनएएस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि जैविक प्रक्रिया के लिए शर्करा (शुगर) महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर शुगर मॉलीक्यूल आने से ही कुछ शुरुआती जटिल जैविक अणुओं का निर्माण हुआ होगा। जापान की तोहोकु यूनिवर्सिटी के योशिहिरो फुरकावा सहित अन्य शोधकर्ताओं ने तीन गैर धात्विक और कार्बन की अधिकता वाले उल्कापिंडों का विश्लेषण किया। इनमें से एक मार्चिसन उल्कापिंड है, जो 1969 में ऑस्ट्रेलिया में गिरा था।

अध्ययन में इन उल्कापिंडों में राइबोस के रूप में शुगर मॉलीक्यूल पाया गया। राइबोस विशेष रूप से हमारे राइबोन्यूक्लिक एसिड (आरएनए) का मूल घटक होता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि महत्वपूर्ण बात यह है कि उल्कापिंडों में पाए गए राइबोस का निर्माण अंतरिक्ष में हुआ था। उन्होंने अंतरिक्ष में इस शुगर मॉलीक्यूल की संभावित निर्माण प्रक्रिया का प्रयोगशाला में कंप्यूटर सिमुलेशन भी किया।

जीवन की शुरुआत के लिए अमीनो एसिड्स, न्यूक्लियोबेस और शुगर को जरूरी घटक माना जाता है। इनमें से अमीनो एसिड्स और न्यूक्लियोबेस के प्रमाण उल्कापिंडों पर पहले ही मिल चुके हैं, लेकिन शुगर का प्रमाण अब तक नहीं मिला था। अब शुगर का प्रमाण मिलने से इस सिद्धांत को बल मिला है कि धरती के निर्माण के बाद कई उल्कापिंड इससे टकराए थे। इन्हीं उल्कापिंडों के जरिये यहां जीवन के लिए जरूरी घटक पहुंचे और धीरे-धीरे जीवन का विकास हुआ।

डॉग बचा रहा घायल कोआला...

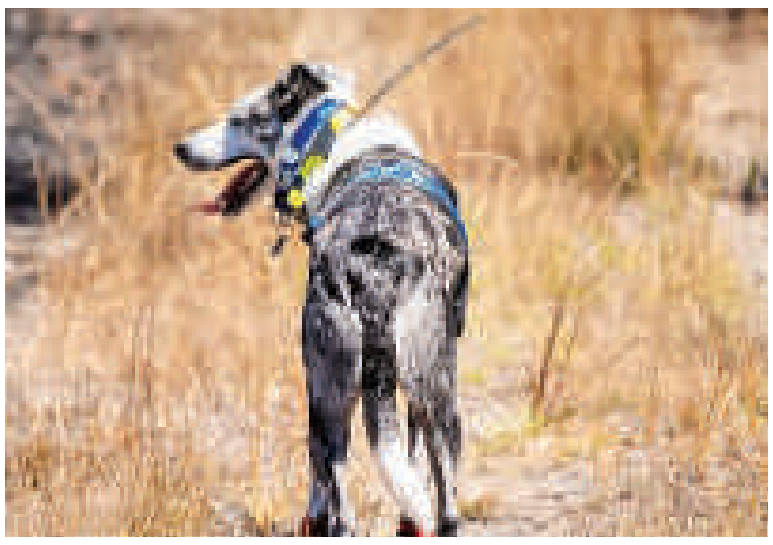

350 दुर्लभ प्रजाति के कोआला के मारे जाने की आशंका ऑस्ट्रेलिया में लगी आग में

12 घायल कोआला को ढूंढकर उनकी जान बचा चुका है अब तक यह डॉग

25 लाख एकड़ जंगल और खेत जलकर हो गए हैं राख

ऑस्ट्रेलिया के न्यूसाउथ वेल्स प्रांत में हालिया विनाशकारी आग के बाद जंगलों की झाड़ियों में घायल पड़े कोआला ढूंढने और बचाने का जिम्मा एक डॉग को दिया गया है। 'बियर' नामक इस डॉग को जंगलों में कोआला और क्वोल दोनों जानवरों को ढूंढने के लिए ट्रेंड किया गया है। जंगल में काम करते वक्त डॉग की आग से सुरक्षा के लिए उसे गद्दीदार मोजे भी पहनाए जाते हैं। आग ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के 25 लाख एकड़ जंगल और खेतों को नष्ट कर दिया है। इस आग में 350 कोआला के मारे जाने की भी आशंका है। दरअसल यह डॉग कोआला को रिसर्च के लिए ढूंढने में काम आता था अब यह इन्हीं कोआला की जान बचा रहा है। अब तक इसने एक दर्जन से भी अधिक कोआला बचाए हैं। कोआला पड़ों पर रहने वाला एक दुर्लभ शाकाहारी प्राणी है जो जलवायु परिवर्तन समेत कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। रायटर

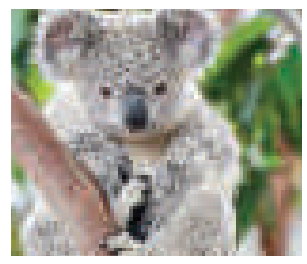

स्क्रीन शॉट

करिश्मा जैसा होगा भूमि का अंदाज

किसी भी किरदार को निभाने के लिए कलाकारों के पास कोई न कोई प्रेरणा या निर्देश होते हैं, जिसके आधार पर वे अपने किरदार को विकसित करते हैं। पहली बार कमर्शियल अभिनेत्री के रूप में भूमि पेडणेकर दर्शकों के सामने आ रही हैं। कार्तिक आर्यन, भूमि पेडणेकर और अनन्या पांडे अभिनीत फिल्म 'पति, पत्नी और वो' में भूमि पत्नी का किरदार निभाएंगी। भूमि का किरदार साधारण से तेजतर्रार पत्नी बनने का है। ऐसे में अपने किरदार की तैयारियों के लिए भूमि को याद आई अपनी पसंदीदा अभिनेत्री करिश्मा कपूर की फिल्म 'बीवी नंबर 1'। भूमि ने बताया कि पत्नी के किरदार को निभाने के लिए 'बीवी नंबर 1' फिल्म उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा रही। फिल्म में करिश्मा कपूर का काम देखकर भूमि हैरान रह गई थीं। भूमि बताती हैं कि वह बचपन से करिश्मा की फैन रही हैं। उन्होंने एक ड्रेस भी खरीदी थी, जो 'राजा हिंदुस्तानी' फिल्म में करिश्मा द्वारा पहनी गई एक ड्रेस की तरह थी। भूमि के मुताबिक यह सब कुछ एक सपने के सच होने जैसा है।

कंगना और रंगोली मुझसे प्यार करती हैं! : तापसी

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने बेबाक विचारों के लिए जानी जाती हैं। किसी भी कार्यक्रम या इंटरव्यू में वह बहुत ही स्पष्ट और बोल्ड बातें करती नजर आती हैं। वह शब्दों को घुमाने की जगह जैसा सोचती हैं वैसा ही कहती हैं। हाल ही में तापसी नेहा धूपिया के चैट शो 'नो फिल्टर नेहा' में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। इस दौरान तापसी ने कहा कि उन्हें लगता है कंगना रनोट और उनकी बहन रंगोली चंदेल दोनों ही उनसे बहुत प्यार करती हैं। तापसी कहती हैं, मुझे लगता है कि वे दोनों ही मुझसे प्यार करती हैं क्योंकि उनका ज्यादातर समय मेरे बारे में बोलने में ही बीतता है। लेकिन मैं उनके बारे में ऐसा महसूस नहीं करती, इसलिए मैं उन्हें पलटकर जवाब नहीं देती। मैं अपना समय और ध्यान उन पर नहीं लगाती हूं, क्योंकि मुझे कुछ और ज्यादा महत्वपूर्ण भी करना है। पिछले कुछ समय से रंगोली दूसरे एक्टर्स के साथ ही तापसी पर भी निशाना साधती नजर आई हैं। इसी वजह से तापसी ने उनके बारे में खुलकर अपनी राय सामने रखी। तापसी हाल ही में भूमि पेडणेकर के साथ फिल्म 'सांड की आंख' में दिखाई दी थीं। शूटर दादियों की सच्ची कहानी पर निर्मित इस फिल्म को लोगों ने पसंद किया।

रियलिटी शो पर मिला प्ले बैक सिंगिंग का ऑफर

कला की पहचान रखने वालों को जहां कला नजर आ जाए, वह उन्हें चुन लेते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ इंडियन आइडल 11 के स्टेज पर। दरअसल, संगीतकार अजय-अतुल इस शो के सेट पर टॉप 10 प्रतियोगियों को सपोर्ट करने पहुंचे थे। सेट पर मौजूद प्रतियोगियों में दिल्ली की जन्नबी दास का गाना उन्हें इतना पसंद आया कि उन्होंने अपनी आगामी संगीतबद्ध फिल्म के लिए जन्नबी को साइन कर लिया। जन्नबी ने 'हावड़ा ब्रिज' फिल्म से 'मेरा नाम चिन चिन चू ...' गाना गाया था। अजय ने बताया कि वह अक्सर पहले गाना बनाते हैं, फिर गायक का चुनाव करते हैं। लेकिन जन्नबी की आवाज ने उन्हें इतना प्रभावित किया है कि वह ऐसा गाना बनाएंगे, जो उनकी आवाज पर जंचे।

लोगों का नजरिया बदलना मुश्किल है : जरीन खान

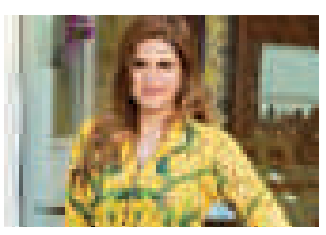

इन दिनों ज्यादातर कलाकार कंटेंट सिनेमा का रुख कर रहे हैं। अभिनेत्री जरीन खान भी उसी फेहरिस्त में शामिल हो गई हैं। जरीन का कहना है कि वह बहुत समय से कंटेंट वाली फिल्में करना चाहती हैं। लेकिन इंडस्ट्री ने उनके प्रति एक नजरिया बना लिया है, जिसकी वजह से उन्हें गंभीर किरदार नहीं मिलते हैं। जरीन खान की आगामी फिल्म 'हम भी अकेले तुम भी अकेले' होगी। इसमें अभिनेता अंशुमन झा भी हैं। फिल्म एलजीबीटीक्यू समुदाय पर आधारित है। सलमान खान ने जरीन को वर्ष 2010 में फिल्म 'वीर' से इंडस्ट्री में लॉन्च किया था। जरीन का कहना है कि इस लॉन्च का उन्हें यह फायदा मिला था कि उन्हें फिल्मों में एंट्री मिल गई। इसके आगे का सफर उन्होंने खुद तय किया है, जो काफी मुश्किल रहा है। जरीन की मानें तो मुख्य किरदार पाने के लिए जरीन को काफी मशक्कत करनी पड़ी है। 'हेट स्टोरी 3' और 'अक्सर 2' जैसी फिल्मों की वजह से उन्हें इंडस्ट्री में बोल्ड और ग्लैमरस अभिनेत्री का खिताब दे दिया गया। 'हम भी अकेले तुम भी अकेले' फिल्म से जरीन उनके प्रति इंडस्ट्री के इस नजरिए को बदलने की कोशिश में हैं। जरीन का कहना है कि हमारी इंडस्ट्री बहुत जल्दी किसी को लेकर धारणा बना लेती है। इस वजह से मुझे भी मौके नहीं मिल रहे हैं। लोगों का नजरिया बदलना मुश्किल है। इंडस्ट्री के लोग एक तरफ यह कहते हैं कि यह अभिनेत्री तो इसी तरह के रोल करती है, दूसरी तरफ यही लोग काम भी नहीं देते हैं।

अध्ययन

झुंड में उड़ान भरने के लिए पक्षी आपस में नेटवर्क बनाकर साथ मिलकर काम करते हैं। इसका फायदा यह होता है वे झुंड में ज्यादा दूरी कम थके पूरी कर लेते हैं

इस तरह झुंड में उड़ान भरते हैं पक्षी...

बीजिंग, प्रेट्र : शोधकर्ताओं ने अपने एक अध्ययन में बताया है कि किस तरह से झुंड में उड़ान भरते समय पक्षी एक दूसरे से संपर्क बनाकर रखते हैं ताकि वे एक दूसरे से भिड़े नहीं और कम ताकत में अधिक दूरी की उड़ान भर सकें। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह अध्ययन जैविक नेटवर्क की बेहतर समझ प्रदान करता है।

चीन की साउथईस्ट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने उड़ान के दौरान पक्षियों के समन्वित व्यवहार के पीछे के तंत्र को समझने के लिए एक ही समय में दस कबूतरों के तीन झुंडों की उड़ानों का अध्ययन किया।

अभी तक माना जाता था कि झुंड की उड़ान के लिए केवल तीन महत्वपूर्ण नियम होते हैं। पहला यह कि आपस में टकराव न हो, गति और दिशा में मेलजोल और केंद्र के पास रहने की कोशिश।

'चाओस' जर्नल में प्रकाशित हालिया अध्ययन में पता चला कि झुंड के भीतर उड़ान भरते समय कबूतर एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। शोधकर्ताओं ने समय के साथ ही प्रत्येक कबूतर की स्थिति, त्वरण और वेग का नमूना लिया और इस डाटा का उपयोग यह अनुमान लगाने के लिए किया कि कौन से कबूतरों ने समूह में एक दूसरे को प्रभावित किया।

इस डाटा से वैज्ञानिकों ने कबूतरों के बीच गहरी समझ के नियमों का पता लगाने के लिए एक नेटवर्क का निर्माण किया और उन्होंने पाया कि झुंड में उड़ान भरने के कुछ नियम होते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि अध्ययन से पता चलता है कि प्रत्येक कबूतर अपने पड़ोसी से प्रभावित भी होता है और उसे प्रभावित भी करता है। झुंड में उड़ान भरने में सबसे महत्वपूर्ण चीज स्थिति और औसत वेग दिशा है।

▶ **शोधकर्ताओं का कहना है कि यह अध्ययन जैविक नेटवर्क की बेहतर समझ प्रदान करता है**

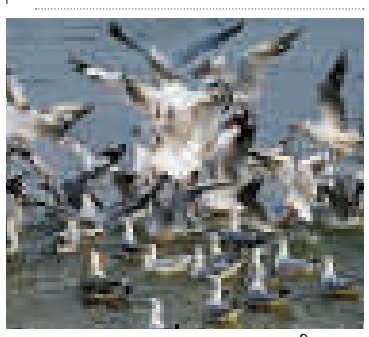

प्रतीकात्मक

उदाहरण के तौर पर हमने प्रायः सड़कों पर यह देखा होगा कि जब कोई तेज रफ्तार से जाती हुई गाड़ी किसी कागज या हल्की वस्तु से होकर जाती है तो गाड़ी के खिचाव बल के कारण हल्की वस्तुएँ गाड़ी के पिछे खिंची चली जाती हैं।

यह नियम कबूतरों के झुंड पर लागू होता है आगे वाले कबूतर तेज उड़ान भरते हैं, जिससे उनके पीछे के कबूतरों को कम बल लगाना पड़े। उड़ान के दौरान जब आगे वाले कबूतर थक जाते हैं तो वे पीछे आ जाते हैं और पीछे वाले आगे पहुंच जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने बताया कि झुंड में उड़ान भरने में सबसे महत्वपूर्ण चीज स्थिति और औसत वेग दिशा है। जो कबूतर केंद्र और औसत वेग दिशा वाली स्थिति में होते हैं वे पूरे झुंड को सबसे ज्यादा प्रभावित करते हैं, जिसका अर्थ है स्थान और उड़ान की दिशा यही दो कारक हैं जो झुंड में कबूतरों की आपसी बातचीत में मायने रखते हैं।

साउथईस्ट यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डक्सिन चेन ने बताया कि इस मैथेड से अन्य समन्वित व्यवहारों का भी अध्ययन किया जा सकता है और प्रतिरक्षा प्रणाली में कोशिकाओं के सामूहिक कामकाज के तरीकों का भी पता लगाया जा सकता है।